



# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷிண பாரதத் ராஷ்ட்ரமத் | தினமணி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बंगलूर से एक साथ प्रकाशित



**5** टी20 प्रारूप के मानसिक पहलू से निपटना जरूरी है : साल्वी

**6** ऊर्जा संकट में सरकार बनी ढाल

**7** उल्टे होकर शिल्पा शेटी ने बताए योग के फायदे

## फर्स्ट टेक

### रिजर्व बैंक ने मुंबई के सर्वोदय को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द किया

**मुंबई/भाषा.** भारतीय रिजर्व बैंक ने मंगलवार को शहर स्थित सर्वोदय को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाओं की कमी के कारण रद्द कर दिया। एक बयान में कहा गया है कि इसके परिणामस्वरूप, बैंक 12 मई, 2026 को कारोबार बंद होने के समय से बैंकिंग कारोबार करना बंद कर देगा। रिजर्व बैंक ने महाराष्ट्र के सहकारिता आयुक्त और सहकारी समितियों के पंजीयक से बैंक को बंद करने का आदेश जारी करने और एक परिसमापक नियुक्त करने के लिए कहा है। बैंक के बंद होने पर, प्रत्येक जमाकर्ता डिपॉजिट इश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉर्पोरेशन (डीआईसीजीसी) से अपनी जमा राशि पर पांच लाख रुपये तक का जमा बीमा दावा राशि प्राप्त करने का हकदार होगा।

### प्रधानमंत्री के आर्ट आफ लिविंग आश्रम जाने के मार्ग के पास से टाइमर और सर्किट बोर्ड मिला

**बंगलूर/भाषा.** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिस मार्ग से बंगलूर के बाहरी इलाके में स्थित आर्ट ऑफ लिविंग आश्रम जाने वाले थे उसके पास से जिलेटिन मिलने की जांच कर रही पुलिस टीम को एक सर्किट और एक टाइमर भी मिला है। यह जानकारी पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को दी। राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने भी संकेत दिया कि इसी तरह की सामग्री मिली है। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की भी इस जांच में शामिल होने में रुचि है। रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम स्थल के पास सड़क किनारे से जिलेटिन की दो छड़ बरामद की गई, जिसके बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई और पुलिस ने यह पता लगाने के लिए शुरु की कि वह कहाँ से आयी और क्या उसकी मौजूदगी के पीछे क्या कोई बड़ी साजिश थी।

**रुपया 40 पैसे लुढ़ककर 95.68 प्रति डॉलर के नए सर्वकालिक निचले स्तर पर**  
**मुंबई/भाषा.** अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति बढ़ने से मंगलवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 40 पैसे औंधे लुढ़ककर 95.68 के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि पश्चिम एशिया में 10 सप्ताह से जारी संघर्ष के गहराने और तेल एवं गैस आपूर्ति पर असर पड़ने की आशंकाओं से बाजार की धारणा प्रभावित हुई है।

13-05-2026 सुबह 6:26 बजे  
14-05-2026 सुबह 5:43 बजे

BSE 74,559.24 (-1,456.04)  
NSE 23,379.55 (-436.30)

सोना 15,855 रु. (24 कैर) प्रति ग्राम  
चांदी 286,000 रु. प्रति किलो

## मिशान मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी पत्रिका  
epaper.dakshinbharat.com



केलाश मण्डेला, मो. 9828233434

## दागी देरा

कैसा चरित्र जन का होगा, जनप्रतिनिधि यदि होंगे दागी। गुण्डों की होगी मौज बड़ी, सब भ्रष्ट बनने के सहभागी। होगा समाज में विचलन तब, सारे होंगे रोगी-रागी। हार तरफ अराजकता होगी, सड़कों पर घूमेंगे बागी।



### प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों के बाद

## नीट-यूजी 2026 परीक्षा रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा.** मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट-यूजी-2026' को प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों के मद्देनजर मंगलवार को रद्द कर दिया गया। सरकार द्वारा अनियमितताओं की व्यापक जांच करने के निर्देश दिए जाने के बाद केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की। मेडिकल कॉलेजों में

### सीबीआई ने प्राथमिकी दर्ज की

रनातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा आयोजित करने वाली राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने कहा कि नई तिथियों की सूचना 'अगले सात से दस दिनों' में दी जाएगी। एनटीए ने तीन मई को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-रनातक (नीट-यूजी) आयोजित की थी। परीक्षा रद्द होने से देशभर में मेडिकल अभ्यर्थियों में आक्रोश फैल गया। विद्यार्थियों ने

एनटीए की क्षमता पर सवाल उठाए और मांग की कि परीक्षा एक्स-दिल्ली द्वारा आयोजित की जाए। विपक्ष ने भी केंद्र सरकार पर प्रशासनिक विफलता, विद्यार्थियों के प्रति असंवेदनशीलता और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं के संचालन में बार-बार हुई चूक का आरोप लगाते हुए निशाना साधा। उसने एनटीए में व्यापक सुधार की मांग भी की।



### नासिक पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में लिया

**नासिक (महाराष्ट्र)/भाषा.** नासिक पुलिस ने नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने के मामले में मंगलवार को एक व्यक्ति को हिरासत में लिया। एक अधिकारी ने यहां यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त किरणकुमार चौहान ने कहा, "नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लेने के लिए आज सुबह राजस्थान पुलिस से अनुरोध प्राप्त हुआ। उसी के अनुसार, नासिक पुलिस की अपराध शाखा की द्वितीय इकाई ने एक व्यक्ति को पकड़ा है।"

### नीट मामले पर राहुल का आरोप: 'तथाकथित अमृतकाल' अब 'विषकाल' बन गया है

**नई दिल्ली/भाषा.** कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अनियमितताओं के आरोपों के चलते मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट-यूजी-2026' को रद्द किए जाने के बाद मंगलवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का तथाकथित अमृतकाल अब 'विषकाल' बन गया है। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "नीट 2026 की परीक्षा रद्द हो गई। 22 लाख से ज्यादा छात्रों की मेहनत, त्याग और सपनों को इस भ्रष्ट भाजपाई व्यवस्था ने कुचल दिया। किसी पिता ने कर्ज लिया, किसी मां ने गहने बेचे, लाखों बच्चों ने रात-रात भर जागकर पढ़ाई की और बदले में मिला- पेपर लीक, सरकारी लापरवाही और शिक्षा में संगठित भ्रष्टाचार।" उन्होंने दावा किया कि यह सिर्फ नाकामी नहीं, युवाओं के भविष्य के साथ अपराध है।

### असम के मुख्यमंत्री के रूप में

## हिमंत ने लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**गुवाहाटी/भाषा.** हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को असम के मुख्यमंत्री के रूप में लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए शपथ ग्रहण की। इसी के साथ राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने लगातार तीसरी बार सत्ता की बागडोर संभाल ली।

हिमंत के साथ चार विधायकों ने मंत्री के रूप में शपथ ली। इनमें भाजपा की अजंता नियोग और रामेश्वर लेली तथा राजग के सहयोगी दल असम गण



परिषद (अगप) के अतुल बोरा और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के चरण बोरो शामिल हैं। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने गुवाहाटी के खानापारा क्षेत्र में वेदरनी मैदान में आयोजित भव्य समारोह में हिमंत और चारों मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

### कांग्रेस नेतृत्व ने किया मंथन,

## केरल के मुख्यमंत्री के नाम की आज हो सकती है घोषणा

**नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम/भाषा.** कांग्रेस आलकमान ने केरल के अगले मुख्यमंत्री के चयन को लेकर पार्टी की राज्य इकाई के पूर्व अध्यक्षों समेत कई नेताओं के साथ मंगलवार को मंथन किया और बुधवार को नाम की घोषणा की जा सकती है। पार्टी के वरिष्ठ नेता के. मुरलीधरन का कहना है कि मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा बुधवार को की जा सकती है। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी के आवास '10 जनपथ' पर हुई बैठक में पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता और कन्नूर से लोकसभा सदस्य के. सुधाकरन के अलावा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एम.एम. हसन और के. मुरलीधरन तथा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तीनों कार्यकारी अध्यक्षों पी.सी. विष्णुनाथ, शफी परम्बिल और ए.पी. अनिल कुमार के साथ अलग-अलग मंथन किया।

### 'गबन' मामला

## आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के दो पूर्व कर्मचारी गिरफ्तार

**नई दिल्ली/भाषा.** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हरियाणा सरकार की निधियों से 590 करोड़ रुपये के कथित गबन और कुछ अन्य संस्थाओं के साथ धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की चंडीगढ़ शाखा के दो पूर्व कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। ईडी ने मंगलवार को एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के मुताबिक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की सेक्टर-32 शाखा के पूर्व प्रबंधक ऋषभ ऋषि और पूर्व संपर्क अधिकारी अभय कुमार को सोमवार को हिरासत में ले लिया गया।

## सनातन धर्म विभाजनकारी है, इसे 'समाप्त' किया जाना चाहिए : उदयनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com



**चेन्नई।** द्रविड़ मुनेत्र कणम (द्रमुक) नेता उदयनिधि स्टालिन ने मंगलवार को दावा किया कि सनातन धर्म लोगों को विभाजित करता है और उन्होंने इसे 'समाप्त' करने का आह्वान किया। उदयनिधि इससे पहले सितंबर 2023 में भी इस तरह का बयान दे चुके हैं। तमिलनाडु विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में अपने पहले भाषण में द्रमुक नेता ने यह भी कहा कि

निश्चित रूप से समाप्त किया जाना चाहिए।" इससे पहले उदयनिधि ने 2023 में भी इसी तरह की टिप्पणी की थी जिससे एक बड़ा विवाद पैदा हो गया था। उन्हें हिंदू समर्थक संगठनों की आलोचना का शिकार होना पड़ा और उनके खिलाफ कई मामले भी दर्ज कराए गए थे। उदयनिधि ने नई सरकार के हालिया शपथ ग्रहण समारोह के संबंध में एक विशिष्ट शिकायत को उजागर करते हुए कहा कि राज्य के गीत को उसकी पारंपरिक प्राथमिकता के बजाय क्रम में तीसरे स्थान पर धकेल दिया गया।

### भाजपा ने सनातन विरोधी टिप्पणी को लेकर उदयनिधि स्टालिन की आलोचना की

**नई दिल्ली/चेन्नई।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को द्रविड़ मुनेत्र कणम (द्रमुक) नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म पर किए गए नए हमलों की कड़ी आलोचना की। इसके साथ ही पार्टी ने उन पर



तथा अन्य विपक्षी दलों पर वोट बैंक की राजनीति के लिए सनातन के खिलाफ नफरत फैलाने में लिप्त होने का आरोप लगाया। भाजपा की प्रतिक्रिया उदयनिधि स्टालिन द्वारा मंगलवार को सनातन धर्म को समाप्त करने का आह्वान करने के बाद आयी है। स्टालिन ने दावा किया कि सनातन धर्म लोगों को विभाजित करता है। उन्होंने सितंबर 2023 में भी इस तरह की विवादास्पद टिप्पणी की थी। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने 'एक्स' पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा कि "तमिलनाडु में द्रमुक की चुनावी हार के बावजूद, उदयनिधि स्टालिन फिर वही करने लगे हैं जो वे सबसे अच्छा करते हैं - सनातन धर्म का अपमान और उसके खिलाफ नफरत फैलाना।"

## सनातन शाश्वत है, उदयनिधि के चाहने से यह समाप्त नहीं होगा : होसबाले

**नई दिल्ली/भाषा.** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकारीवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबाले ने मंगलवार को द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन पर निशाना साधते हुए सनातन धर्म की तुलना वट वृक्ष से की और कहा कि उनके चाहने से यह समाप्त नहीं हो जायेगा। होसबाले ने 'पीटीआई वीडियो' के साथ एक साक्षात्कार में कहा, "सिर्फ इसलिए कि मुझे लगता है कि प्रकाश नहीं होना चाहिए या मुझे लगता है कि परछाई नहीं होनी चाहिए, इसका मतलब

तमिलनाडु विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में उदयनिधि के पहले भाषण के बारे में सवाल किया गया, जिसमें उन्होंने सनातन धर्म को समाप्त करने का आह्वान किया था। उदयनिधि इससे पहले भी इस तरह का बयान दे चुके हैं। आरएसएस नेता ने कहा, "यह उनकी राय है और लोगों ने चुनावों में इसका जवाब दिया है। लेकिन, केवल किसी के कह देने से ही सनातन समाप्त नहीं हो जायेगा।" उन्होंने कहा, "सनातन शाश्वत रूप से विद्यमान है। शाश्वतता ही सनातन है।"

### तमिलनाडु :

## अबू धाबी जाने वाले विमान के पंख में आग लगने के बाद उड़ान हुई रद्द

**चेन्नई/भाषा.** अबू धाबी जाने वाले एक विमान के पंख में मंगलवार को आग लगने के बाद उसकी उड़ान रद्द कर दी गई। इस विमान के लगभग 280 यात्री सवार थे। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि विमानन कंपनी 'एतिहाद एयरवेज' का विमान उड़ान भरने की तैयारी में था तभी पायलटों ने आग देखा, जिसके बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से विमान से उतार लिया गया और किसी को कोई चोट नहीं आई। दमकल कर्मियों ने तुरंत आग बुझा दी और उड़ान रद्द कर दी गई। 'एतिहाद एयरवेज' की प्रतिक्रिया जानने की कोशिश की गई लेकिन संपर्क नहीं हो सका।

## शराब की 717 खुदरा बिक्री दुकानों को बंद करने का मुख्यमंत्री विजय ने दिया आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com



**चेन्नई।** तमिलनाडु में महिलाओं और कुछ राजनीतिक दलों द्वारा पूर्ण शराबबंदी लागू करने की मांग के बीच मुख्यमंत्री सी. जोसफ विजय ने मंगलवार को राज्यभर में सरकारी स्वामित्व वाली 717 खुदरा शराब दुकानों को बंद करने का आदेश दिया जिसमें पूजा स्थलों के पास स्थित 276 दुकानें भी शामिल हैं। एक आधिकारिक विज्ञापन के अनुसार, जनता के कल्याण को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री विजय ने शराब की खुदरा दुकानों को बंद करने का आदेश जारी किया है। विपक्षी दल द्रमुक ने इस कदम को 'महज प्रचार' कहकर इसका मजाक उड़ाया। तमिलनाडु में शराब

लागू की जाए। इसके जवाब में द्रमुक के प्रवक्ता सरयवन अन्नादुरई ने दावा किया कि टीएएसएमपीसी द्वारा संचालित दुकानें धार्मिक स्थलों और शैक्षणिक संस्थानों के बाहर मौजूद नहीं हैं। उन्होंने मजाक उड़ाते हुए 'एक्स' पर कहा, क्या वे नई दुकानें खोलेंगे और फिर उन्हें बंद कर देंगे? यह महज प्रचार है। तमिलनाडु राज्य विधानसभा (टीएएसएमपीसी) राज्य भर में शराब की 4,765 खुदरा दुकानों का संचालन करता है। वर्ष 2025 में, तमिलनाडु में शराब की बिक्री से राजस्व 48,344 करोड़ रुपये था। टीएएसएमपीसी विधेयों से आयोजित शराब के 551 ब्रांड बेचना है, जिसमें लाइसेंस प्राप्त खुदरा दुकानों के माध्यम से बेची जाने वाली वाइन के 223 ब्रांड शामिल हैं।

## वैज्ञानिक प्रगति के वैश्विक विमर्श को 'संकीर्ण नजरिए' से देखा गया : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com



**संयुक्त राष्ट्र/भाषा.** विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गणित के क्षेत्र में भारतीय सभ्यता के योगदान पर आधारित एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए कहा कि दुनिया भर में वैज्ञानिक प्रगति को लंबे समय से 'संकीर्ण नजरिए' से देखा गया और उन ऐतिहासिक विक्तियों को 'सुधारने' की आवश्यकता है।

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में भारत के स्थायी मिशन द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी का शीर्षक 'शून्य से अनंत तक - गणित में भारतीय सभ्यता का योगदान' है। इसे भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) और इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी) के सहयोग से आयोजित किया गया है। जयशंकर ने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में अपनी तरह की इस पहली ऐतिहासिक प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए कहा, जब हम संयुक्त राष्ट्र में एकत्रित होते हैं, तो अक्सर साझा विरासत की बात

करते हैं। फिर भी यदि हम आधुनिक इतिहास के सफर को देखें, तो दुनिया भर में वैज्ञानिक प्रगति को यत्न और भ्रूणों की सीमाओं में बांधकर एक संकीर्ण नजरिए से देखा गया है। उद्घाटन समारोह में अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्रात्रा, न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूत विनय प्रधान, प्रिंसटन विश्वविद्यालय में गणित के प्रोफेसर और फील्ड्स मेडल विजेता मंजुल भार्गव के साथ-साथ कई देशों के राजदूत और राजनयिक उपस्थित थे। विदेश मंत्री ने कहा, जैसे-जैसे भू-राजनीतिक बदलावों से

राजनीतिक और आर्थिक पुनर्संतुलन हो रहा है, यह अनिवार्य रूप से सांस्कृतिक पुनर्संतुलन का मार्ग भी प्रशस्त कर रहा है। यह विविध विमर्शों के लिए जगह बनाकर दिया जाएगा, जिसमें हमारे अतीत की अधिक व्यापक समझ शामिल है। जयशंकर को से 10 मई तक जर्मका, सूरीनाम और त्रिनिदाद एवं टोबैगो की आधिकारिक यात्रा पर थे। सोमवार को अपनी न्यूयॉर्क यात्रा के दौरान उन्होंने इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया, जो 'समहिता' (दक्षिण एशियाई पांडुलिपि इतिहास और पाठ्य संग्रह) परियोजना का हिस्सा है।

यह विशेष संवादात्मक प्रदर्शनी उन प्राचीन गणितीय अवधारणाओं पर प्रकाश डालती है जिनकी जड़ें भारत में हैं और जो आगे चलकर हजारों वर्षों में पूरी दुनिया में फैलीं, इनमें शून्य, दशमलव स्थान मान प्रणाली (डेसिमल प्लेस वैल्यू सिस्टम), बीजगणित और एल्गोरिदम से लेकर ग्रहों के मॉडल, खगोलीय गणना, क्रमचय-संचय (कॉम्बिनेटोरिक्स), द्विआधारी गणना (बाइनरी एन्क्रिप्शन) और रेखागणित का 'बोधायन-पायथागोरस प्रमेय' शामिल हैं। प्रदर्शनी में आर्यभट्ट, ब्रह्मगुप्त और भारुकर से लेकर केरल के खगोल विज्ञान और गणित संप्रदाय तक के विद्वानों के योगदान को दर्शाया गया है। जयशंकर ने कहा, "हम जो यहां एकत्र हुए हैं, वे केवल दीवार पर लिखे अंकों को नहीं देख रहे हैं। हम उस सभ्यता का अवलोकन कर रहे हैं जिसका जन्म भारत की बौद्धिक मिट्टी में हुआ था। यह एक ऐसी विरासत है जिसका संबंध जितना अतीत से है, उतना ही भविष्य से भी है।"



## वैश्विक चुनौतियां उद्योग जगत को सजग करने वाली, दक्ष और उत्पादक बनने की जरूरत : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि मौजूदा वैश्विक चुनौतियां घरेलू उद्योगों को सजग करने वाली हैं, ताकि वे आत्मनिर्भर और उत्पादक बनें, मुक्त व्यापार समझौतों का बेहतर उपयोग करें और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए आयात पर निर्भरता कम करें। उन्होंने कहा कि दुनिया एक चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रही है क्योंकि पश्चिम एशिया में युद्ध ने निश्चित रूप से वैश्विक व्यापार और निवेश प्रवाह को बाधित किया है।

लेकिन इस 'कठिन समय' में भारत के पास दूसरों से आगे निकलने का एक बड़ा अवसर है। मंत्री ने उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिषद (सीआईआई) के सालाना व्यापार सम्मेलन में कहा, "प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) ने देशवासियों को एक स्पष्ट आह्वान किया है और अब सामूहिक कार्रवाई का समय है।" गोयल ने कहा कि भारत ने लगातार संकट को अवसर में बदला है और प्रतिकूल परिस्थितियों में हमेशा मजबूत होकर उभरा है। उन्होंने कहा, "वर्तमान वैश्विक स्थिति को भारत के लिए एक 'चेतावनी' के रूप में देखा जाना चाहिए ताकि वह अधिक कुशल, उत्पादक और आत्मनिर्भर

बन सके।" मंत्री ने इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने का आह्वान किया क्योंकि इससे देश के तेल खर्च में भारी कमी आएगी। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे और परिवहन में सरकार का भारी निवेश और उद्योग के आयात खर्च को कम करने के लिए जारी प्रयास, चाहे वे किसी भी रूप में हों, देश को मजबूत बनाएंगे। "मुझे चिंता करने का कोई कारण नहीं दिखता। मेरा मानना है कि हमें सशक्त होने की आवश्यकता है।" उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प. एशिया संकट के मद्देनजर विदेशी मुद्रा बचाने के लिए ईंधन के वियेकपूर्ण उपयोग, सोने की खरीद और विदेश यात्रा को स्थगित करने जैसे उपायों का आह्वान किया था।

## मध्यप्रदेश के कूनों नेशनल पार्क में चीते के चार शावक मृत पाए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**श्यापुर (मध्यप्रदेश)/भाषा।** मध्यप्रदेश के श्यापुर जिले में स्थित कूनों राष्ट्रीय उद्यान में चीते के एक माह पहले जन्मे चार शावक मंगलवार सुबह मृत पाए गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया, "आज सुबह करीब साढ़े छह बजे निगरानी दल को श्यापुर वन मंडल में माद स्ट्राल के पास चार शावक मृत मिले। मादा चीता 'केजीपी 12' ने 11 अप्रैल को इन शावकों को जन्म दिया था। शायद आंशिक रूप से खाए हुए पाए गए हैं।" शावकों को आखिरी बार 11 मई की शाम जीवित देखा गया था।

अधिकारी के अनुसार, प्रारंभिक तौर पर ऐसा प्रतीत होता है कि इन शावकों की मौत किसी अन्य न्यूनजीव के हमले के कारण हुई है। मादा चीता सुरक्षित और स्वस्थ है और शव परीक्षण व विस्तर जांच के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। इन चार शावकों की मौत के बाद भारत में अब कुल 53 चीते बचे हैं। अधिकारी ने बताया कि कूनों राष्ट्रीय उद्यान में भारत में जन्मे 33 चीतों समेत कुल 50 चीते हैं, जबकि राज्य के गांधी सागर अभयारण्य में तीन चीते मौजूद हैं। सभी जीवित चीते स्वस्थ हैं। इस वर्ष फरवरी में बोल्सवाना से छह मादा और तीन नर समेत नौ चीते कूनों लाए गए थे। इससे पहले 17 सितंबर 2022 को नामीबिया से आठ चीते भारत लाए गए थे, जबकि वर्ष 2023 में द. अफ्रीका से 12 चीते कूनों लाए गए थे।

## मक्त ने श्री वैकटेश्वर प्राणदान ट्रस्ट को एक करोड़ रु से अधिक की राशि दान की

**तिरुपति (आंध्र प्रदेश)/भाषा।** मुंबई के एक भक्त ने मंगलवार को तिरुमला तिरुपति देवस्थान (टीटीडी) के श्री वैकटेश्वर प्राणदान ट्रस्ट को एक करोड़ रुपये से अधिक की राशि दान की। दान का डिमांड ड्राफ्ट तिरुमला स्थित अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी वि. वैकेया चौधरी के शिबिर कार्यालय को सौंपा गया। मंदिर प्रशासन की आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुंबई के विजय रमेश चंद्र ने टीटीडी श्री वैकटेश्वर प्राणदान ट्रस्ट को 1.03 करोड़ रुपये दान किए। 2001 में स्थापित श्री वैकटेश्वर प्राणदान ट्रस्ट का उद्देश्य हृदय, किडनी, मस्तिष्क, कैंसर और अन्य जानलेवा बीमारियों से पीड़ित गरीब रोगियों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना है। टीटीडी, तिरुपति स्थित दुनिया के सबसे समृद्ध हिंदू तीर्थस्थल माने जाने वाले श्री वैकटेश्वर मंदिर का आधिकारिक संरक्षक है।

## सरकार को राहत देनी चाहिए, लोगों से समझौता करने को नहीं कहना चाहिए: कुमारी सैलजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**चंडीगढ़/भाषा।** कांग्रेस महासचिव कुमारी सैलजा ने कहा कि लोग पहले से ही बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और बढ़ते आर्थिक दबाव से जूझ रहे हैं और फिर भी केंद्र सरकार समाधान पेश करने के बजाय बार-बार उनसे त्याग और समझौता करने को कह रही है। सैलजा ने यहां जारी एक बयान में दावा किया कि इस तरह की बार-बार की अपीलें इस बात का संकेत देती हैं कि सरकार आर्थिक चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने में विफल रही है।

सिरसा की सांसद सैलजा ने कहा कि कभी लोगों को पेट्रोल और डीजल का इस्तेमाल कम करने की सलाह दी जाती है, तो कभी घरेलू खर्चों में कटौती करने को कहा

जाता है। कभी-कभी उन्हें दैनिक आवश्यकताओं में भी कटौती करने को कहा जाता है। उन्होंने दावा किया, ये बार-बार की जाने वाली अपीलें स्पष्ट रूप से दर्शाती हैं कि आम नागरिकों पर आर्थिक बोझ लगातार बढ़ रहा है। कांग्रेस नेता की ये टिप्पणी ऐसे समय आयी है जब मोदी ने अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए ईंधन के वियेकपूर्ण उपयोग, सोने की खरीद और विदेश यात्रा को स्थगित करने जैसे उपायों का आह्वान किया है। प्रधानमंत्री ने कहा है कि केंद्र सरकार पश्चिम एशिया संघर्ष के प्रतिकूल प्रभाव से लोगों को बचाने की कोशिश कर रही है। कुमारी सैलजा ने कहा कि नागरिकों को राहत प्रदान करना, स्थिर आर्थिक वातावरण बनाना और रोजगार के अवसर पैदा करना सरकार की जिम्मेदारी है।

## पंजाब सरकार अग्निवीरों के लिए आरक्षण नीति बनाएगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**चंडीगढ़/भाषा।** पंजाब सरकार ने अग्रिमय योजना के तहत अपनी सेवा दे चुके अग्निवीरों को राज्य सरकार की नौकरियों में समायोजित करने के लिए आरक्षण नीति तैयार करने का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को यहां एक बैठक में इस नीति को सैद्धांतिक मंजूरी दी। उन्होंने इसके लिए एक उच्चस्तरीय समिति भी गठित की है, जिसमें वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी शामिल हैं, जो इस नीति के ढांचे और प्रक्रियाओं को अंतिम रूप देंगे। इस समिति में वरिष्ठ अधिकारी विकास प्रताप, भावना गर्ग, सुभर सिंह गुर्जर और एस.एस. श्रीयारस्तव शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि आरक्षण नीति की रूपरेखा समयबद्ध और व्यापक तरीके से



तैयार की जानी चाहिए, ताकि देश की सेवा करके लौटने वाले अग्निवीरों का प्रभावी पुनर्वास हो सके और उनकी क्षमताओं का उपयोग पंजाब के सामाजिक और आर्थिक विकास में किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि अग्निवीरों के आरक्षण और ध्यान से जुड़े मानदंडों को जल्द से जल्द अंतिम रूप दिया जाना चाहिए, ताकि इन अत्यधिक प्रशिक्षित और अनुशासित युवाओं की सेवाओं का सर्वोत्तम उपयोग किया जा सके। उन्होंने कहा कि अग्निवीरों को पुलिस, जेल विभाग, अग्निशमन सेवाओं, वन पक्षक, होम गार्ड और सरकार के अन्य विभागों में प्रभावी

## उद्योग को आरंभ पर खर्च बढ़ाना होगा, संरक्षणवाद की प्रवृत्ति छोड़नी होगी: नीति आयोग सदस्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** नीति आयोग के सदस्य राजीव गोबा ने मंगलवार को कहा कि सरकार सुधार जारी रखेगी और भरोसा-आधारित शासन के मूलभूत पहलुओं पर काम करेगी। हालांकि, उद्योग को अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) पर निवेश बढ़ाना होगा और संरक्षणवाद की प्रवृत्ति छोड़नी होगी ताकि भारत वैश्विक उत्पादन एवं नवाचार का आकर्षक केंद्र बन सके।

भारतीय उद्योग परिषद (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार सम्मेलन में गोबा ने कहा कि सरकार सुधार एजेंडा को जारी रखेगी लेकिन उद्योग को कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान देना होगा जिसमें अनुसंधान एवं विकास में निवेश "पहला" मुद्दा है। उन्होंने कहा, "जैसा कि हम सभी जानते हैं कि भारत का अनुसंधान एवं विकास पर कुल व्यय कम है। यह जीडीपी के लगभग 0.7% पर अटका हुआ है जो वैश्विक औसत 2.3% से काफी नीचे है। यह दक्षिण कोरिया तथा इजराइल जैसे देशों से बहुत कम है। इस 0.7% में से 60 प्रतिशत सरकार द्वारा वित्तपोषित है।" गोबा ने कहा, "मेरा मानना है कि भारतीय उद्योग को अनुसंधान एवं विकास

में अधिक निवेश करना चाहिए एवं प्रौद्योगिकी आयात करने से उसे विकसित करने की ओर बढ़ना चाहिए। आरएंडडी में निवेश लागत नहीं है, यह रणनीतिक बंदत है।" उन्होंने भारतीय उद्योग से यह भी आग्रह किया कि वह वैश्विक प्रतिस्पर्धा की चुनौती को स्वीकार करें, खासकर तब जब देश अन्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) कर रहा है।

नीति आयोग के सदस्य ने कहा, "भारतीय उद्योग को संरक्षणवाद की अपनी प्रवृत्ति छोड़नी होगी। भारत सरकार ने ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और न्यूजीलैंड के साथ महत्वपूर्ण व्यापार समझौते किए हैं और कई अन्य प्रक्रिया में हैं। ये भारतीय निर्यातकों के लिए नए बड़े बाजार खोलेंगे लेकिन मुक्त व्यापार का सिद्धांत पारस्परिकता की मांग करता है।" गोबा ने इस बात पर जोर दिया कि उद्योग मानव संसाधन के कौशल विकास पर ध्यान दे क्योंकि सरकार अकेले यह नहीं कर सकती। उन्होंने कहा, "सरकार ने 'स्किल इंडिया मिशन' के माध्यम से महत्वपूर्ण निवेश किए हैं। मेरा मानना है कि कौशल विकास केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं हो सकता। उद्योग 4.0, कृत्रिम मेधा (एआई) और स्वचालन के उदय ने कार्यबल के कौशल विकास को अस्तित्व का प्रश्न बना दिया है।"

## क्या विधानसभा चुनावों के दौरान प्रधानमंत्री विदेशी मुद्रा संबंधी चिंताओं से अवगत नहीं थे : ओवैसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**हैदराबाद/भाषा।** ऑल इंडिया मजलिस-ए-इतेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने प्रधानमंत्री के मितव्ययिता से जुड़े आह्वान पर आपत्ति जताते हुए सवाल किया कि नरेंद्र मोदी और भाजपा ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के दौरान विदेशी मुद्रा बचाने की आवश्यकता पर चर्चा क्यों नहीं की?

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मितव्ययिता उपायों का आह्वान करने का एक उद्देश्य डॉलर बचाना है ताकि सरकार अमेरिका से तेल खरीदने के लिए 'ट्रंप को पैसे दे सके'। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, कया वह है कि क्या प्रधानमंत्री चुनाव के दौरान लोगों को यह बताए बिना वोट मांग रहे थे कि चुनाव के बाद पेट्रोल, डीजल और



विमान ईंधन की कीमतें बढ़ाई जाएंगी? और अब वह इसे देशभक्ति के रूप में पेश करते हुए कह रहे हैं कि सच्चा देशभक्त यही है, जो इन सारी परेशानियों को सहन करे। उन्होंने दावा किया कि देश के लोगों को एक खिल मिलेगा जिसमें पेट्रोल, डीजल और विमान ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि होगी। उन्होंने पूछा कि क्या हाल में हुए राज्य विधानसभा चुनावों के दौरान भारतीय जनता पार्टी को इन मुद्दों की जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा, (अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड) ट्रंप, कया वह है कि उर्जा संकट से उबरने के लिए मुझसे खरीदारी करो, क्योंकि आपने व्यापार समझौता किया है।

## बाजार में भारी गिरावट से चार सत्रों में निवेशकों के 16.77 लाख करोड़ रुपए डूबे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और लंबे समय तक भू-राजनीतिक संकट की आशंका के बीच बाजार में मची खलबली से पिछले चार कारोबारी सत्रों में निवेशकों की संपत्ति 16.77 लाख करोड़ रुपए घट गई।

इसके अलावा, विदेशी कर्षों की निरंतर निकासी और रुपए के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने से निवेशक जोखिम लेने से बच रहे हैं, जिससे वित्तीय बाजारों में बिकवाली बढ़ गई। मंगलवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,456.04 अंक या 1.92 प्रतिशत गिरकर 74,559.24 पर बंद हुआ। पिछले चार कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स 3,399.28 अंक या 4.36 प्रतिशत टूट चुका है। इन चार दिनों में बीएसई में सूचीबद्ध

कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 16.77 लाख करोड़ रुपए घटकर 4,56,02,981.70 करोड़ रुपए रह गया। ऑनलाइन कारोबारी फर्म एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा कि वैश्विक व्यापक आर्थिक परिदृश्य और घरेलू कारकों के दबाव ने निवेशकों की धारणा पर भारी असर डाला है। उन्होंने बताया, "अमेरिका-ईरान वार्ता में गतिरोध, उर्जा कीमतों में उछाल, रुपए का रिकॉर्ड निचले स्तर तक गिरना और विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार निकासी ने बिकवाली को तेज कर दिया है।" वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड तीन प्रतिशत बढ़कर 107.4 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।



## मोदी की अपील के समर्थन में केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने मुंबई में मेट्रो ट्रेन में यात्रा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**मुंबई/भाषा।** अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई मितव्ययिता की अपील का समर्थन करते हुए केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने मंगलवार को यहां मेट्रो ट्रेन में यात्रा की और लोगों से ईंधन

बचाने के लिए सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने की अपील की। यहां बीकेसी और विधान भवन स्टेशनों के बीच मेट्रो ट्रेन की यात्रा करने के बाद आठवले ने पत्रकारों से कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की अपील का राजनीतिकरण करने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से ये उपाय सुझाए हैं। उन्होंने कहा, "मेने मितव्ययिता

रूप से यह निर्णय लिया है कि पेट्रोल व डीजल की बचत करने के दृष्टिकोण से मेट्रो से यात्रा करना आवश्यक है। अन्य लोगों को भी मेट्रो से यात्रा करनी चाहिए और ईंधन बचाने में मदद करनी चाहिए।" प्रधानमंत्री ने अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए ईंधन के वियेकपूर्ण उपयोग, सोने की खरीद और विदेश यात्रा को स्थगित करने समेत कई उपायों का आह्वान किया है।



## 'नीट प्रश्नपत्र लीक की 'साजिश' का पर्दाफाश करने को न्यायालय की निगरानी में जांच हो

**जम्मू/भाषा।** कांग्रेस की जम्मू-कश्मीर इकाई ने नीट-यूजी 2026 के कथित प्रश्नपत्र लीक मामले की उच्चतम न्यायालय की निगरानी में मंगलवार को जांच कराने की मांग की। पार्टी ने इसे 22 लाख से अधिक परीक्षार्थियों और उनके परिवारों को सीधे प्रभावित करने वाला एक "बेहद गंभीर मसला" करार दिया। कांग्रेस ने यह भी मांग की कि शीर्ष अदालत बार-बार हो रहे प्रश्नपत्र लीक के पीछे के कथित नेटवर्क को उजागर करे। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि यह नेटवर्क भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकाल में खूब सक्रिय हो रहा है। जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) के कार्यकारी अध्यक्ष रमन भल्ला ने आरोप लगाया कि बार-बार प्रश्नपत्र का लीक होना "नोट छापने की मशीनों और मौजूदा सरकार का सबसे बड़ा घोटाला" बन चुका है।

## तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने किसानों से अनाज की शीघ्र खरीद के निर्देश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**हैदराबाद/भाषा।** तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को संबंधित अधिकारियों को धान और अन्य फसलों की शीघ्र खरीद के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया। उनकी ये टिप्पणी किसानों से अनाज की खरीद में कथित देरी को लेकर विपक्ष के विरोध प्रदर्शनों की पृष्ठभूमि में आई है।

रेड्डी ने जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हुई बैठक में कहा कि किसानों से खरीद की प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों को खरीद प्रक्रिया का निरीक्षण करने के लिए जमीनी स्तर पर दौरे करने को भी कहा गया। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि उन्होंने कहा कि अधिकारियों को बोरियों की कमी से बचने के लिए कदम उठाने चाहिए और साथ ही अनाज की बोरियों को ट्रकों तक ले जाने वाले श्रमिकों की कमी को भी दूर करना चाहिए।



भीषण गर्मी और बेमौसम बारिश के कारण खरीद केंद्रों पर किसानों को हो रही कठिनाइयों के जवाब में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए उपाय करने का निर्देश दिया कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने हाल के हफ्तों में राज्य में खरीद में कथित देरी और किसानों की समस्याओं (जिनमें गर्मी, बेमौसम बारिश और नमी के नाम पर किसानों को परेशान करना शामिल है) के विरोध में प्रदर्शन किए हैं।

## अमरावती में भूमि साझा करने से इनकार करने वाले किसानों को अधिग्रहण नोटिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**अमरावती/भाषा।** आंध्र प्रदेश के नगर पालिका प्रशासन मंत्री पी. नारायण ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार ने ग्रीनफील्ड राजधानी अमरावती में भूमि साझा करने (लैंड पूलिंग) से इनकार करने वाले किसानों को भूमि अधिग्रहण के नोटिस जारी किए हैं। मंत्री ने स्पष्ट किया कि यह कदम केवल आपरिहार्य परिस्थितियों में ही उठायी गया है।

लैंड पूलिंग के तहत लोग अपनी भूमि सरकार या एजेंसी को देते हैं तथा इसे विकसित कर इसका कुछ हिस्सा या अन्य भूमि उन्हें प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि सरकार अब भी ऐसे किसानों से स्पेच्छा से भूमि साझा करने के लिए आगे आने की अपील कर रही है। उन्होंने बताया कि कुछ किसान इसके लिए आगे आ रहे हैं,



मंशा से किसानों के मुद्दे पर बेवजह हंगामा खड़ा कर रही है। उन्होंने आग्रह किया कि यदि सरकार को बदनमा करने की कोशिश की गई, तो जनता माफ नहीं करेगी। मंत्री ने आंकड़े साझा करते हुए बताया कि अमरावती के लिए 30,753 किसानों ने 35,017 एकड़ जमीन दी थी जिनमें से 30,079 किसानों को भूखंड आवंटित हो चुके हैं, यानी 97 प्रतिशत किसानों का आवंटन पूरा हो गया है। उन्होंने कहा कि केवल 674 किसानों के 489 एकड़ से जुड़े आवंटन विभिन्न कारणों से लंबित हैं जिनमें 65 किसान न्यायालयी विवादों में उलझे हैं, 324 किसान आवंटन के पात्र ही नहीं हैं और शेष अन्य कारणों से लंबित हैं। नारायण ने बताया कि ग्रीनफील्ड राजधानी में 'ट्रक रोड', 'लेआउट रोड' और अन्य निर्माण कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि "अन्य राज्य भी अमरावती निर्माण की चर्चा कर रहे हैं।"

## तमिलनाडु के नये मंत्रिमंडल के आधे सदस्यों के खिलाफ दर्ज हैं आपराधिक मामले : एडीआर रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** तमिलनाडु में नया गठित मंत्रिमंडल के आधे मंत्रियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि 20 प्रतिशत मंत्रियों की संपत्ति 100 करोड़ रुपये से अधिक है। एसीरिएशन फोर डेमोक्रेटिक

रिफार्म (एडीआर) ने अपनी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। एडीआर रिपोर्ट के अनुसार उसके विश्लेषण में सामने आया कि 10 मंत्रियों में से पांच (50 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामलों की घोषणा की है जबकि तीन (30 प्रतिशत) मंत्रियों ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले लंबित होने की सूचना दी है।

एडीआर का कहना है कि इन मंत्रियों में मात्र एक महिला है। रिपोर्ट के मुताबिक दो (20 प्रतिशत) मंत्रियों की संपत्ति 100 करोड़ रुपये से अधिक है, जिनमें मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय सबसे धनी हैं। विजय की कुल संपत्ति 648.85 करोड़ रुपये है। मंत्रिमंडल की औसत संपत्ति 126.50 करोड़ रुपये है।

सबसे कम घोषित कुल संपत्ति वाली मंत्री कीर्तना एस हैं, जिनकी संपत्ति 22.57 लाख रुपये है। उन्होंने शिवकाशी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव जीता है। रिपोर्ट के मुताबिक तीन मंत्रियों ने अपनी शैक्षणिक योग्यता आठवीं से बारहवीं कक्षा के बीच बताई है, जबकि सात मंत्रियों ने कहा कि उन्होंने स्नातक या उससे अधिक पढ़ाई की है।

एडीआर की एक पिछली रिपोर्ट में 233 विजयी उम्मीदवारों के हलफनामों का विश्लेषण किया गया था। उसमें कहा गया था कि 126 (54 प्रतिशत) उम्मीदवारों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की बात स्वीकार की है, जबकि 56 (24 प्रतिशत) गंभीर आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे हैं।

# प्रभाकर सर्वसम्मति से तमिलनाडु विधानसभा के अध्यक्ष चुने गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** तमिलनाडु में तमिलनाडु वेद्री कषम (टीवीके) विधायक जेसीडी प्रभाकर को मंगलवार को सर्वसम्मति से राज्य विधानसभा का अध्यक्ष चुना गया।

मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने उनके चुनाव के तुरंत बाद कहा कि विधानसभा की यह जिम्मेदारी है कि वह लोगों की अपेक्षाओं को योजनाओं और कानूनों में परिवर्तित करें। तमिलनाडु विधानसभा के 17वें सत्र में अपने पहले भाषण में विजय ने कहा, 'यहां सभी समान हैं। विपक्षी सदस्यों और सत्ताधारी टीवीके द्वारा

व्यक्त किए गए विचारों को समान महत्व दिया जाएगा। अच्छी बातों को स्वीकार किया जाएगा जबकि अवांछित विचारों को अस्वीकार किया जाएगा। इस विधानसभा को लोकतंत्र के दिल और दिमाग के रूप में कार्य करना चाहिए।'

विजय ने विधानसभा अध्यक्ष प्रभाकर और उपाध्यक्ष एम. रविशंकर को उनके संबंधित पदों पर नियुक्ति निश्चित करने के लिए बधाई देने के साथ ही उन्हें सदन के सुचारु संचालन के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने अपने भाषण की शुरुआत अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन के एक उद्धरण से करते हुए इस बात पर जोर दिया कि विधानसभा में सभी समान हैं।



उन्होंने जनता, विशेषकर युवाओं के कल्याण और प्रशासन में पारदर्शिता के प्रति अपनी सरकार की प्राथमिकताओं को रेखांकित किया। इसके अलावा, उन्होंने

उनकी कुर्सी तक ले जाते हैं। इससे पहले, कार्यवाहक विधानसभा अध्यक्ष एम.वी. करुणैया ने सदन में कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा प्रभाकर के नाम का प्रस्ताव रखा गया था और एकमात्र नामांकन प्राप्त होने पर उन्हें सर्वसम्मति से एवं निर्विरोध चुना गया है। करुणैया ने इस चुनाव के बाद कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के समाप्त होने की घोषणा की। उन्होंने सदन के नेता के. ए. संगोत्थयान और विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन को सदन की परंपरा के अनुसार नव निर्वाचित विधानसभा अध्यक्ष को उनके आसन तक ले जाने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि आज से प्रभाकर सदन की

कार्यवाही का संचालन करेंगे। इसके बाद संगोत्थयान और उदयनिधि ने प्रभाकर को बधाई दी। वे उन्हें सदन के मध्य स्थित उनके आसन तक ले गए जहां सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्य आसन के दोनों ओर आमने-सामने बैठते हैं। पदभार ग्रहण करते ही प्रभाकर ने विधानसभा उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराया। उन्होंने बताया कि थुरैयूर से टीवीके विधायक एम. रविशंकर उपाध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करने वाले एकमात्र सदस्य हैं और उनका नामांकन संगोत्थयान द्वारा प्रस्तावित किया गया है। उन्होंने कहा कि कोई प्रतिद्वंद्वी न होने की वजह से रविशंकर निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं।

## मुख्यमंत्री विजय ने वीसीके प्रमुख से भेंट की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने मंगलवार को यहां वीसीके प्रमुख टी थिरुमावलवन से उनके आवास पर मुलाकात की। कुछ ही दिन पहले वीसीके ने सरकार गठन में टीवीके को अपना समर्थन दिया था।

टीवीके सूत्रों ने बताया कि विजय ने वीसीके के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करने एवं धर्मनिरपेक्ष सरकार प्रदान करने का अपना वादा दोहराया।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने यहां आईएएमएल अध्यक्ष के एम कादर मोहिदीन से पार्टी मुख्यालय में मुलाकात की थी। उन्होंने (प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय) सत्यमूर्ति भवन में कांग्रेस नेताओं और अनाद्रमुक के नेता सी वी षण्मुगम से भी मुलाकात की।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को अपने पूर्ववर्ती द्रमुक अध्यक्ष एम के स्टालिन से अलवरपेट में उनके आवास पर मुलाकात की थी। विजय ने वीसीके के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करने एवं धर्मनिरपेक्ष सरकार प्रदान करने का अपना वादा दोहराया।

## अन्नाद्रमुक के 30 बागी विधायक टीवीके को समर्थन देने की घोषणा करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** तमिलनाडु में विपक्षी दल अन्नाद्रमुक में मंगलवार को विभाजन के स्पष्ट संकेत दिखाई दिए, जब पार्टी प्रमुख एडम्पाडी के पलानीस्वामी के खिलाफ विधायकों के एक बड़े समूह ने बगवत कर दी और उन पर प्रतिद्वंद्वी द्रविड़ मुनेत्र कषम (द्रमुक) के साथ पदों के पीछे से गठबंधन की कोशिश करने का आरोप लगाया। इसके साथ ही इस गुट ने अभिनेता से नेता बने विजय के नेतृत्व वाली तमिलनाडु वेद्री कषम (टीवीके) सरकार को अपना खुला समर्थन देने की घोषणा कर दी है। टीवीके सरकार बुधवार को विधानसभा में अपना बहुमत साबित करेगी।

अन्नाद्रमुक के वरिष्ठ नेता एन.पी. वेलुमणि और सी.वे. षण्मुगम के नेतृत्व में लगभग 30 विधायकों के बागी गुट में होने की संभावना है। इस गुट ने 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनावों में पार्टी की करारी हार के बाद पलानीस्वामी के नेतृत्व पर सवाल उठाए हैं। इन चुनावों में अन्नाद्रमुक ने जिन 164 सीटों पर चुनाव लड़ा था, उनमें से वह केवल 47 सीटें ही जीतने में सफल रही थी। षण्मुगम ने पत्रकारों से कहा कि वे आज मुख्यमंत्री विजय से मिलकर उनकी सरकार को समर्थन देने के लिए पत्र सौंपेंगे। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि पार्टी के महासचिव पलानीस्वामी द्रमुक के समर्थन से सरकार बनाना चाहते थे। उन्होंने कहा कि अन्नाद्रमुक का गठन ही द्रमुक के 'विरोध और सफाये' के लिए हुआ है। उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी सदस्यों ने एम के स्टालिन की अनुयायी वाली पार्टी के समर्थन से सरकार बनाने के पलानीस्वामी

के प्रस्ताव का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई भी प्रस्ताव अन्नाद्रमुक के मूलभूत सिद्धांतों के विपरीत है क्योंकि इसका गठन ही द्रमुक का विरोध करने और उसे जड़ से उखाड़ने के लिए किया गया था। अन्नाद्रमुक नेतृत्व ने इन आरोपों को 'अफवाह' बताकर खारिज कर दिया है। अन्नाद्रमुक ने 'एक्स' पर पोस्ट कर आरोप लगाया कि वेलुमणि, षण्मुगम और सी विजयभारकर खुद टीवीके सरकार में मंत्री पद पाने की कोशिश कर रहे हैं। इसने दावा किया कि पार्टी कार्यकर्ता पलानीस्वामी के साथ मजबूती से खड़े हैं तथा गठबंधन के फैसले मुझे भर विधायकों द्वारा नहीं लिए जा सकते। एमजीआर द्वारा स्थापित अन्नाद्रमुक की इस अंदरूनी कलह ने पार्टी के उन आंतरिक सत्ता संघर्षों की यादें ताजा कर दी हैं, जो 1987 में संस्थापक एम. जी. रामचंद्रन और फिर 2016 में मुख्यमंत्री जे. जयललिता के निधन के बाद देखे गए थे। द्रमुक ने दोनों दलों के बीच चुनाव के बाद गठबंधन की बातचीत के षण्मुगम के दावों को खारिज कर दिया और उन पर अपनी ही पार्टी के भीतर फूट डालने की कोशिश करने का आरोप लगाया। षण्मुगम की टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताते हुए द्रमुक के संगठन सचिव आर. एस. भारती ने दावा किया कि अन्नाद्रमुक नेता ने टीवीके सरकार का समर्थन करने का फैसला किया है और इसीलिए उन्होंने यह आधास्वामी आरोप लगाए हैं। द्रमुक के संगठन सचिव आर. एस. भारती ने यहां पत्रकारों से कहा कि पार्टी अध्यक्ष एम. के. स्टालिन पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि द्रविड़ प्रमुख (द्रमुक) एक विपक्षी दल के रूप में अपनी भूमिका निभाएगी।

## अन्नाद्रमुक आज विश्वास प्रस्ताव के खिलाफ मतदान करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषम (अन्नाद्रमुक) ने 13 मई को प्रस्तावित विश्वास प्रस्ताव के खिलाफ मतदान करने का फैसला किया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता अग्नी एस एस कृष्णमूर्ति ने चेन्नई में मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि संभावित 'क्रॉस-वोटिंग' पर कानूनी परिणाम का सामना करना होगा। ओ एस मणियन और ई के पलानीस्वामी समर्थक गुट के अन्य विधायकों के साथ कृष्णमूर्ति ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि यह निर्णय पार्टी के महासचिव द्वारा लिया गया है। कृष्णमूर्ति ने कहा, 'महासचिव ने फैसला किया है कि अन्नाद्रमुक कल विश्वास प्रस्ताव के खिलाफ मतदान करेगी।' सभी पार्टी विधायकों को औपचारिक रूप से निर्देश का पालन करने के लिए कहा गया है। संभावित 'क्रॉस-वोटिंग' या प्रस्ताव के लिए समर्थन जुटाने के उद्देश्य से किसी भी 'नाटकीय घटनाक्रम' के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए नेता ने कानूनी



परिणामों की कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा, 'कानूनी कार्यवाई की जाएगी।' उन्होंने उल्लेख किया कि यदि आवश्यक हुआ तो दलबदल विरोधी कानून के तहत कार्यवाही शुरू की जाएगी। इस बीच, मणियन ने पार्टी में फूट की खबरों को खारिज करते हुए कहा कि अन्नाद्रमुक पलानीस्वामी के नेतृत्व में एकजुट है। उन्होंने बताया कि 47 विधायकों ने पहले ही विश्वास प्रस्ताव को हस्ताक्षरित दस्तावेज सौंपकर पलानीस्वामी को विधायक दल का नेता घोषित कर दिया है। नेता ने स्पष्ट किया कि पार्टी के भीतर ऐसे रणनीतिक निर्णय लेने का संवैधानिक अधिकार केवल महासचिव के पास है और उन्होंने अन्य गुटों के विरोधाभासी प्रस्तावों को पदों के 'भूखे' लोगों द्वारा बदनामी के इरादे से फैलाई गई बात कहकर खारिज कर दिया। पार्टी में मौजूदा आंतरिक संकट पलानीस्वामी के नेतृत्व वाले आधिकारिक नेतृत्व और वरिष्ठ नेताओं सी. वी. षण्मुगम और एन. पी. वेलुमणि के नेतृत्व वाले विद्रोही गुट के बीच गहरे मतभेद के रूप में सामने आया है। बागी गुट ने वेलुमणि को अन्नाद्रमुक विधायक दल का नेता नियुक्त करने की मांग की है।

## एमएमके संस्थापक दिनांकन ने टीवीके को 'एकपक्षीय' समर्थन देने के लिए पार्टी विधायक को हटवाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** एएमके संस्थापक टीटीवी दिनाकरन ने मंगलवार को अपनी पार्टी के इकलौते विधायक को सत्तारूढ़ टीवीके का एकपक्षीय समर्थन करने के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया। एएमके विधायक एस कामराज ने विधानसभा में मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय नीत सरकार को समर्थन जताया, जिसके कुछ घंटों के अंदर दिनाकरन ने यह कार्यवाई की। दिनाकरन ने एक बयान में कहा कि इस तरह का कृत्य एकपक्षीय और पार्टी अनुशासन के खिलाफ है। उन्होंने कहा, कामराज का यह कदम एएमके के कार्यकर्ताओं और गठबंधन में शामिल दलों के उन सभी लोगों के साथ घोर विश्वासघात है जिन्होंने चुनाव में उनकी जीत के लिए काम किया, साथ ही उन लोगों के साथ भी जिन्होंने उन पर भरोसा जताया और उन्हें वोट दिया। दिनाकरन ने कहा कि कामराज ने अपने कृत्य से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल पार्टी की साख को नुकसान पहुंचाया है और इसके अनुशासन को तोड़ा है। उन्होंने कहा कि इसलिए कामराज को आज से पार्टी के सभी पदों और प्राथमिक सदस्यता से हटाया जा रहा है। कुछ दिन पहले ही दिनाकरन ने टीवीके पर विधायकों की 'खरीद फरोख्त' की कोशिश के आरोप लगाए थे जिन्हें सत्तारूढ़ पार्टी ने खारिज कर दिया था।



## शीर्ष अदालत मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ टीवीके विधायक की याचिका पर सुनवाई करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/चेन्नई।** उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु विधानसभा में विश्वास मत के दौरान मतदान में हिस्सा लेने से रोकने संबंधी मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाले टीवीके के एक विधायक की याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई है। तमिलनाडु वेद्री कषम (टीवीके) के नेता सी जोसेफ विजय ने 10 मई को तमिलनाडु मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। टीवीके विधायक आर श्रीनिवास सेतुपति की याचिका को तत्काल सुनवाई करने और सुनवाई के लिए प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी द्वारा प्रस्तुत किया गया। पीठ ने मामले की सुनवाई बुधवार को करने पर सहमति जताई। सेतुपति ने शिवगंगई जिले के नंबर 185 तिरुपपुर विधानसभा



की तिरुपपुर निर्वाचन क्षेत्र संख्या 185 के लिए भेजा जाने वाला एक डाक मतपत्र गलती से तिरुपपुर जिले के तिरुपपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र संख्या 50 में भेज दिया गया था। उन्होंने कहा कि मतपत्र को विचार के लिए सही निर्वाचन अधिकारी के पास भेजने के बजाय वहीं खारिज कर दिया गया था। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की गिनती में कथित विचलन की ओर भी इशारा किया और दावा किया कि मतगणना रिकॉर्ड में निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर प्रकाशित आंकड़ों के बीच 18 मतों का अंतर था। अंतरिम आदेश पारित करते समय, उच्च न्यायालय ने पाया कि सीमित निर्देश के लिए प्रथमदृष्टया मजबूत मामला बनता है। हालांकि, इसने स्पष्ट किया कि यह आदेश सेतुपति के निर्वाचन को रद्द नहीं करता और न ही पेरियाकरुप्पन को निर्वाचित घोषित किये जाने का कोई अधिकार प्रदान करता है।

## 'ज्योतिषी' को मुख्यमंत्री का ओएसडी पद क्यों चाहिए : कांग्रेस सांसद सैथिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** कांग्रेस सांसद शशिकांत सैथिल ने तमिलनाडु वेद्री कषम (टीवीके) सरकार द्वारा एक 'ज्योतिषी' को विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) नियुक्त किए जाने पर सवाल खड़े किये। पूर्व आईएएस अधिकारी सैथिल ने 'एक्स' पर उस पत्र की प्रति साझा की, जिसमें कथित तौर पर रिक्ती राधन पंडित वैत्रिवेल को तत्काल प्रभाव से मुख्यमंत्री का ओएसडी नियुक्त किए जाने की बात कही गई है। सांसद सैथिल ने लिखा, 'मेरी समझ से परे है। आखिर एक ज्योतिषी को ओएसडी पद की क्या जरूरत है? क्या कोई समझ सकता है?' बारह मई को लिखा पत्र सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। हालांकि, इस नियुक्ति की आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है।

तमिलनाडु विधानसभा में विश्वास मत के दौरान मतदान में हिस्सा लेने से रोकने संबंधी मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाले टीवीके के एक विधायक की याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई है। तमिलनाडु वेद्री कषम (टीवीके) के नेता सी जोसेफ विजय ने 10 मई को तमिलनाडु मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। टीवीके विधायक आर श्रीनिवास सेतुपति की याचिका को तत्काल सुनवाई करने और सुनवाई के लिए प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी द्वारा प्रस्तुत किया गया। पीठ ने मामले की सुनवाई बुधवार को करने पर सहमति जताई। सेतुपति ने शिवगंगई जिले के नंबर 185 तिरुपपुर विधानसभा

## सनातन धर्म लोगों को विभाजित करता है, इसे समाप्त किया जाना चाहिए : उदयनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** द्रविड़ मुनेत्र कषम (द्रमुक) के नेता उदयनिधि स्टालिन ने मंगलवार को दावा किया कि सनातन धर्म लोगों को विभाजित करता है और उन्होंने इसे 'समाप्त' करने का आह्वान किया। उदयनिधि इससे पहले सितंबर 2023 में भी इस तरह का बयान दे चुके हैं। तमिलनाडु विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में अपने पहले भाषण में द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन ने यह भी कहा कि विपक्ष, तमिल प्रार्थना गीत 'तमिल थाई वड्डुथु' को बदनाम करने के किसी भी प्रयास को सफल नहीं होने देगा। उन्होंने सदन में अपने भाषण में कहा, 'सनातन धर्म लोगों को विभाजित करता है और उसे निश्चित रूप से समाप्त किया जाना चाहिए।' इससे पहले उदयनिधि ने 2023 में भी इसी तरह की टिप्पणी की थी, जिससे एक बड़ा विवाद पैदा हो गया था। उन्हें हिंदू समर्थक संगठनों की आलोचना का शिकार होना पड़ा था और उनके खिलाफ कई मामले भी दर्ज कराए गए थे। उदयनिधि के हालिया शपथ ग्रहण समारोह के संबंध में एक विशिष्ट शिकायत को उजागर करते हुए कहा कि राज्य के गीत को उसकी पारंपरिक प्राथमिकता के बजाय क्रम में तीसरे स्थान पर धकेल दिया गया। विपक्ष के नेता उदयनिधि ने कहा, '...आपकी सरकार ने शपथ ग्रहण समारोह के दौरान हुई ऐसी घटना एक गलती थी और आपको इस विधानसभा में इसे दोबारा होने नहीं देना चाहिए। हम इसे बर्बाद नहीं करेंगे।' उन्होंने कहा कि न केवल विधानसभा में, बल्कि किसी भी सरकारी कार्यक्रम या

दिलाई, जब तत्कालीन द्रमुक सरकार ने राज्यपाल द्वारा प्रोटोकॉल में बदलाव करने के प्रयासों के विरोध किया था। वर्तमान विधानसभा में विपक्ष की भूमिका को परिभाषित करते हुए, विपक्ष के नेता ने दिग्गज द्रविड़ नेता और द्रमुक के संस्थापक सी एन अन्नादुरई के ज्ञान का हवाला देते हुए विपक्ष को एक वाहन के ब्रेक या बेल की लगाम के समान बताया, जो सरकार को जनहित की ओर ले जाने के लिए आवश्यक है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विपक्ष में होने के बावजूद विपक्ष का इरादा विशुद्ध रूप से विरोधी शक्ति के बजाय एक रचनात्मक शक्ति के रूप में कार्य करने का है। उन्होंने कहा कि पिछले कार्यकालों के विपरीत, आज विपक्ष के सदस्यों की संख्या सत्तारूढ़ दल के सदस्यों के लगभग बराबर है। उन्होंने बड़ी संख्या में पहली बार चुनकर आये विधायकों और

महिला विधायकों की बढ़ती उपस्थिति का भी स्वागत किया। उन्होंने कहा कि वह स्वयं, मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय और अध्यक्ष जेसीडी प्रभाकर सभी शहर स्थित लोयला कॉलेज के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने हल्के फुल्के अंदाज में कहा कि राजनीतिक अनुभव के मामले में द्रमुक अब भी वरिष्ठ है। द्रविड़ मॉडल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, 'उन्होंने कहा कि विपक्ष सरकार के प्रदर्शन पर नजर रखता रहेगा, ताकि सब के लिए सब कुछ' के सिद्धांत को बरकरार रखा जाए।' उदयनिधि ने अध्यक्ष से निष्पक्षता बनाए रखने और सदन में विपक्ष की आवाज को जनता की सच्ची आवाज के रूप में सुनने का आग्रह किया। इसी बीच, नगदण्डित तमिलनाडु विधानसभा के सत्र के दौरान सनातन धर्म को समाप्त करने के आह्वान को दोहराने के बाद भाजपा ने द्रमुक नेता पर तीखा हमला किया।

केवल जनता का ध्यान भटकाने का एक जरिया है। उन्होंने दावा किया कि अन्य राजनीतिक दलों के विपरीत, द्रमुक एक अखंड इकाई के रूप में एकजुट है और पार्टी चुनावों में जीत या हार से नहीं डरती। द्रमुक के वरिष्ठ नेता ने षण्मुगम पर सत्ता का भूखा होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अब यह देखा बाकी है कि मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय, जिन्होंने 23 अप्रैल के विधानसभा चुनाव में द्रमुक और अन्नाद्रमुक के विलय के रूप में चुनाव लड़ा था, क्या वे अन्नाद्रमुक के इस गुट को अपने गठबंधन में शामिल करेंगे। इससे पहले, पत्रकारों से बातचीत में षण्मुगम ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से अलग होने और 'तमिलनाडु वेद्री कषम' (टीवीके) सरकार को समर्थन देने के फैसले की घोषणा की थी। उन्होंने दावा किया कि एक ऐसा प्रस्ताव रखा गया था, जिसमें द्रमुक के सहयोग से अन्नाद्रमुक की सरकार बनाने का सुझाव दिया गया था। हालांकि, ज्यादातर विधायकों ने इस विचार को खारिज कर दिया और टीवीके को समर्थन देने का फैसला किया। षण्मुगम ने कहा, अगर द्रमुक के साथ गठबंधन किया गया, तो अन्नाद्रमुक का अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा। हमने द्रमुक के विरोध में इस पार्टी की स्थापना की थी। पिछले 53 वर्षों से हमारी राजनीति पूरी तरह द्रमुक के खिलाफ रही है।

## द्रमुक ने षण्मुगम के दावों को नकारा, अन्नाद्रमुक के साथ चुनाव बाद गठबंधन की खबरों का किया खंडन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** द्रविड़ मुनेत्र कषम (द्रमुक) ने मंगलवार को अन्नाद्रमुक के पूर्व मंत्री सी. वी. षण्मुगम पर निशाना साधते हुए उनके उन आरोपों को खारिज कर दिया, जिनमें चुनाव के बाद गठबंधन के लिए दोनों दलों के बीच बातचीत का दावा किया गया था। द्रमुक ने कहा कि षण्मुगम अपनी ही पार्टी को 'तोड़ने' के लिए बहाने तलाश रहे हैं। षण्मुगम द्वारा की गई टिप्पणी पर कड़ा एतराज जताते हुए द्रमुक के संगठन सचिव आर.एस. भारती ने दावा किया कि षण्मुगम ने अभिनेता विजय के नेतृत्व वाली तमिलनाडु वेद्री कषम (टीवीके) की सरकार (पार्टी) का समर्थन करने का मन बना लिया है और इसीलिए वह द्रमुक-अन्नाद्रमुक के बीच चुनाव बाद गठबंधन की बातचीत के बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। इन आरोपों का खंडन करते हुए भारतीय ने यहां संवाददाताओं से कहा कि द्रमुक अध्यक्ष एम. के. स्टालिन पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि पार्टी विपक्ष की भूमिका निभाएगी।

भारती ने कहा, मैंने चुनाव परिणामों के बाद ही यह कहा था कि वे केवल अटकलें और अफवाह हैं। हमने अगले ही दिन स्थिति स्पष्ट कर दी थी। हमारा रुख आज भी वही है। भारतीय ने कहा कि विधानसभा में भी द्रमुक विधायक दल के नेता उदयनिधि स्टालिन ने यह स्पष्ट कर दिया था कि पार्टी विपक्ष के रूप में काम करेगी। तमिलनाडु राजनीति में अब 'दलबद्ध संस्कृति' और

'अल्पमत सरकार' की वेंसी ही स्थिति देखी जा रही है, जैसी अक्सर उत्तर भारत में नजर आती है। भारतीय के अनुसार, षण्मुगम द्वारा द्रमुक पर आरोप लगाए गए थे कि वे केवल जनता का ध्यान भटकाने का एक जरिया है। उन्होंने दावा किया कि अन्य राजनीतिक दलों के विपरीत, द्रमुक एक अखंड इकाई के रूप में एकजुट है और पार्टी चुनावों में जीत या हार से नहीं डरती। द्रमुक के वरिष्ठ नेता ने षण्मुगम पर सत्ता का भूखा होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अब यह देखा बाकी है कि मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय, जिन्होंने 23 अप्रैल के विधानसभा चुनाव में द्रमुक और अन्नाद्रमुक के विलय के रूप में चुनाव लड़ा था, क्या वे अन्नाद्रमुक के इस गुट को अपने गठबंधन में शामिल करेंगे। इससे पहले, पत्रकारों से बातचीत में षण्मुगम ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से अलग होने और 'तमिलनाडु वेद्री कषम' (टीवीके) सरकार को समर्थन देने के फैसले की घोषणा की थी। उन्होंने दावा किया कि एक ऐसा प्रस्ताव रखा गया था, जिसमें द्रमुक के सहयोग से अन्नाद्रमुक की सरकार बनाने का सुझाव दिया गया था। हालांकि, ज्यादातर विधायकों ने इस विचार को खारिज कर दिया और टीवीके को समर्थन देने का फैसला किया। षण्मुगम ने कहा, अगर द्रमुक के साथ गठबंधन किया गया, तो अन्नाद्रमुक का अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा। हमने द्रमुक के विरोध में इस पार्टी की स्थापना की थी। पिछले 53 वर्षों से हमारी राजनीति पूरी तरह द्रमुक के खिलाफ रही है।

# राजस्थान सरकार ने नीट परीक्षा में गड़बड़ी को जानबूझकर छुपाने की कोशिश की : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को आरोप लगाया कि राजस्थान की भाजपा सरकार ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट यूजी 2026' में गड़बड़ी को जानबूझकर छुपाने की कोशिश की और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ किया। साथ ही उन्होंने परीक्षा रद्द करने के राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के फैसले को साहसिक बताया। उन्होंने कहा कि एनटीए ने तीन मई को आयोजित 'नीट यूजी 2026' परीक्षा रद्द करने की घोषणा करते हुए मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार ने इसमें अनियमितताओं की सीबीआई जांच का आदेश दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने एक बयान में कहा, नीट (यूजी) प्रवेश परीक्षा का रद्द

होना यह दर्शाता है कि इस पेपर में बड़े स्तर पर गड़बड़ी हुई थी। राजस्थान की भाजपा सरकार ने जानबूझकर दो सप्ताह तक इसे छुपाने की कोशिश की और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ किया। गहलोत के अनुसार, एनटीए ने परीक्षा रद्द करके और सीबीआई को जांच सौंपकर युवाओं के हित में एक साहसिक निर्णय लिया है। गहलोत ने इस मुद्दे को लेकर राज्य की भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, राजस्थान की भाजपा सरकार ने पहले कर्मचारी चयन बोर्ड में हुए आपसआर शीट घोटाले को छिपाया, ताकि सरकार की बदनामी न हो। कमजोर पेशे के कारण उस मामले के आरोपियों को जमानत भी मिल गई। इसी प्रकार, अब नीट (यूजी) परीक्षा लीक की जानकारी को भी छुपाने का प्रयास किया गया और प्राथमिकी तक दर्ज नहीं की गई। पूर्व मुख्यमंत्री के अनुसार, अब सच्चाई



सामने आ गई है और भाजपा सरकार का असली चेहरा बेनकाब हो गया है। कांग्रेस नेता और राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली तथा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंदसिंह डोटसरा ने भी इस मुद्दे को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। जूली ने कहा कि नीट परीक्षा का रद्द होना इस बात का साफ सबूत है कि पूरे प्रकरण में संगठित तरीके

से बड़ी धांधली हुई। उन्होंने कहा, परीक्षा रद्द कर जांच सीबीआई को सौंपा जाना यह बताता है कि मामला कितना गंभीर और व्यापक है, यह लाखों मेहनती छात्रों के भविष्य के साथ खुला विश्वासघात हुआ है। उन्होंने कहा, भाजपा राज में 10 साल में 89 पेपर लीक, यही पेपर लीक की कड़वी सच्चाई है। हर बार बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, कार्रवाई के दावे होते हैं, लेकिन हकीकत में युवाओं की मेहनत, समय और भविष्य के साथ भाजपा सरकार लगातार खिलवाड़ कर रही है। कांग्रेस नेता ने कहा, सबसे चिंताजनक बात यह है कि राजस्थान की भाजपा सरकार ने सच्चाई उजागर करने के बजाय उसे दबाने की कोशिश की और दो हफ्तों तक युवाओं के भविष्य को दांव पर लगाए रखा। यह सरकार की केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि सुनियोजित गैर-जिम्मेदारी और

संवेदनहीनता का प्रमाण है। डोटसरा ने कहा, नीट 2026 परीक्षा रद्द होना सिर्फ एक परीक्षा का निरस्त होना नहीं है, ये मोदी सरकार लीक व्यवस्था एवं भाजपा सरकार और पेपर लीक माफियाओं की साठगांठ का पर्दाफाश होना है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, राजस्थान में भाजपा के संरक्षण में पेपर लीक माफियाओं ने लाखों युवाओं की मेहनत, वर्षों की तैयारी और सपनों को खुलेआम बाजार में बेच दिया जबकि सरकार तमाशा देखती रही। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, मोदी सरकार एवं भाजपा शासित राज्यों में आज देश की सबसे बड़ी परीक्षाएं भी सुरक्षित नहीं हैं। एक के बाद एक पेपर लीक, भर्ती घोटाले और अब नीट जैसी परीक्षा का रद्द होना इस बात का सबूत है कि भाजपा राज में मेहनत नहीं, बल्कि पेपर लीक माफियाओं से सेंटिंग और संरक्षण का खेल जारी है।



## राजस्थान के अधिकतर इलाके भीषण गर्मी की चपेट में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अधिकतर इलाकों में भीषण गर्मी पड़ रही है और मौसम विभाग का कहना है कि गर्मी का यह दौर इस हफ्ते जारी रहेगा तथा तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, मंगलवार सुबह तक बीते चौबीस घंटे में राज्य में कहीं कहीं हल्की बारिश हुई। सबसे अधिक बारिश कोटकासिम (अलवर) में 15.0 मिलीमीटर दर्ज की गयी। इस दौरान बाइसेर में अधिकतम तापमान 47.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम केंद्र के अनुसार, राज्य के ज्यादातर भागों में आगामी दिनों में न्यूनतम व अधिकतम तापमान में हल्की बढ़ोतरी होने की संभावना है। जोधपुर, बीकानेर संभाग के कुछ भागों में आगामी 3-4 दिन 'हीटवेव' व उष्णरानी दर्ज होने का अनुमान है। वहीं दक्षिण-पूर्वी भागों में भी आगामी दिनों में अधिकतम तापमान 43 से 45 डिग्री के बीच दर्ज होने व कहीं-कहीं 'हीटवेव' का अनुमान है। हालांकि राजधानी जयपुर तथा शेखावाटी क्षेत्र, जयपुर व भरतपुर संभाग के उत्तरी भागों में कहीं-कहीं बादल छाये रहने, 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने एवं हल्की बूंदबांदी होने की संभावना है।



## शासन सचिव एवं संचार विभाग ने संपर्क हेल्पलाइन कंट्रोल रूम का किया निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

जयपुर। शासन सचिव, आयोजना, सार्वजनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग डॉ. रवि कुमार सुपुल ने मंगलवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर विभागीय प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने जन आधार में नाम जोड़ने, हटाने एवं शुद्धिकरण से संबंधित रिजेशन प्रकरणों का विस्तृत विश्लेषण कर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने बच्चों के नाम परिवर्तन की प्रक्रिया को सरल एवं सुगम रूप में आमजन तक पहुंचाने पर विशेष बल दिया। साथ ही प्रदेश के सभी ई मित्रों को व्हाट्सएप के माध्यम से नाम परिवर्तन प्रक्रिया की जानकारी साझा करने के निर्देश दिए, जिससे अधिकाधिक आमजन को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने जिला-वार लंबित

प्रकरणों के पृथक्करण (सेग्रीगेशन) तथा परिवर्तनों के व्यवस्थित कारणों की जांच करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। बैठक में मृत्यु प्रमाण पत्र से संबंधित परिवेदनाओं का भी विश्लेषण किया गया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। उन्होंने परिवेदनाओं के सही श्रेणी निर्धारण एवं उचित मैपिंग सुनिश्चित करने के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया। डॉ. सुपुल ने कहा कि संपर्क पोर्टल के प्लेटफॉर्म पर अपनवाई गई मूल कारण विश्लेषण (डैट उरीशी -परशुकी) की कार्यप्रणाली समझना और वास्तविक कारणों की पहचान कर उनके स्थायी एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस दृष्टिकोण के माध्यम से केवल शिकायतों के ताल्कालिक निस्तारण के बजाय उनके मूल कारणों का विश्लेषण कर दीर्घकालिक सुधारालयक उपाय किए जा रहे हैं। इससे सेवा प्रदायगी की गुणवत्ता में सुधार होने के साथ-साथ आमजन का विश्वास भी सुदृढ़ हो रहा है।



## सिजेरियन प्रसव के बाद महिलाओं की मौत का मामला : ऑपरेशन थिएटर, आईसीयू में सख्त प्रोटोकॉल के निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के कोटा में सिजेरियन (सी-सेक्शन) प्रसव के बाद संक्रमण के कारण चार महिलाओं की मौत के मद्देनजर राज्य की प्रधान सचिव (स्वास्थ्य) गायत्री राठौर ने अस्पतालों के आपातकालीन ऑपरेशन थिएटर (ओटी), गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) और अन्य महत्वपूर्ण इकाइयों में उपचार प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने का आदेश दिया है। राठौर ने सोमवार रात यहां 'न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल' (एनएमसीएच) के सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक के आईसीयू का दौरा किया और वहां प्रसूताओं पिकी, धनी बाई और आरती का परिजनों से मिलकर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने आईसीयू में भर्ती रागिनी मीणा से भी बात की और बताया कि उनकी स्थिति में अब काफी सुधार है। एनएमसीएच और जेके लोन

अस्पताल में दो-दो महिलाओं की सिजेरियन प्रसव के बाद उत्पन्न जटिलताओं के कारण मौत हो गई थी। सोमवार को दिहाड़ी मजदूर चंद्र प्रकाश की पत्नी पिकी महावर (30) की सिजेरियन प्रसव के बाद संक्रमण के कारण मौत हो गई। 22 वर्षीय प्रिया महावर की 9 और 10 मई की दरमियानी रात को जेके लोन अस्पताल में सिजेरियन प्रसव के बाद गुद में संक्रमण होने से मृत्यु हो गई। इससे पहले पायल (26) और ज्योति नायक (19) की मृत्यु क्रमशः 5 और 7 मई को न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हो गई थी। एक बयान के अनुसार, स्वास्थ्य सचिव ने बताया कि मरीजों के उपचार की निगरानी वरिष्ठ गुदा रोग (नेफ्रोलॉजी) विशेषज्ञ डॉ. धनंजय अग्रवाल कर रहे हैं। डॉ. विकास खंडेलिया ने संक्रमण प्रभावित अन्य महिलाओं के इलाज के बारे में राठौर को जानकारी दी। राठौर ने नेफ्रोलॉजी वार्ड में स्थानांतरित की गई चंद्रकला और सुशीला से भी मुलाकात की। उनके परिजनों ने बताया कि दोनों की स्थिति अब काफी बेहतर

है। बाद में सोमवार को अधिकारी ने एनएमसीएच में एक बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने वरिष्ठ चिकित्सकों से उनकी राय जानी और संक्रमण से हुई मौतों के सभी संभावित कारणों पर विस्तृत चर्चा की। वरिष्ठ चिकित्सकों के साथ बैठक में राठौर ने निर्देश दिया कि जिला अस्पतालों से लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों-सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी-सीएचसी) स्तर तक संक्रमण मुक्त ऑपरेशन थिएटर सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि चिकित्सा कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। राठौर ने कहा कि मामले के हर पहलू की जांच की जा रही है और प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए चिकित्सकों व नर्सिंग कर्मियों के खिलाफ पहले ही कार्रवाई की जा चुकी है। उन्होंने निर्देश दिया कि संक्रमण रोकने के लिए इन इकाइयों का नियमित विसंक्रमण (स्टैलाइजेशन) और उपकरणों की सफाई नियमों के अनुसार सुनिश्चित की जाए।

## राज्यपाल बागड़े ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय में विभिन्न विकास कार्यों का किया लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने मंगलवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया तथा निर्माणधीन परियोजनाओं की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की मूर्ति पर पुष्पजलि अर्पित की। राज्यपाल बागड़े ने विश्वविद्यालय परिसर में स्वास्थ्य केंद्र, विद्यार्थी और शोधार्थी बॉयज हॉस्टल एवं छात्रसंघ कार्यालय का लोकार्पण किया। साथ ही निर्माणधीन ऑडिटोरियम एवं स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। इस अवसर पर विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया गया। इनमें छात्र संघ भवन का निर्माण कार्य 2.42 करोड़ रुपये, औषधालय भवन 2.06 करोड़ रुपये, शोध छात्रावास (एक बिस्तर) 3.01 करोड़ रुपये तथा स्नातकोत्तर छात्रावास (दो बिस्तर) 3.03 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित कार्य शामिल हैं। राज्यपाल बागड़े ने राजस्थान स्टेट रोड डेवलपमेंट एंड कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन के अधिकारियों के साथ बैठक कर विश्वविद्यालय से संबंधित निर्माणधीन विकास कार्यों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों का निर्धारित शेड्यूल बनाकर निश्चित समीक्षा बैठक आयोजित की जाए, ताकि सभी कार्य तय समय सीमा में पूरे हो सकें। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय की समीक्षा बैठक में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ शोध एवं नवाचार अपनाने एवं नई शिक्षा नीति को प्रभावी रूप में लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा के श्रेष्ठ मानक स्थापित करे। राज्यपाल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विश्वविद्यालय परिसर में निर्माणधीन ऑडिटोरियम का कार्य सितंबर माह तक पूर्ण किया जाए, जिससे विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों के लिए अस्थायी डोम लगाने की आवश्यकता नहीं पड़े तथा विश्वविद्यालय को आर्थिक बचत हो सके।



## टोंक जिले के चैनपुरा में ग्राम रथ अभियान के तहत रात्रि चौपाल आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

जयपुर। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने टोंक जिले की मालपुरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम चैनपुरा में ग्राम रथ अभियान के अंतर्गत रात्रि चौपाल में ग्रामीणों से संवाद किया। चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं एवं सुझाव मंत्री के समक्ष रखे। मंत्री चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार गंध-गांव तक विकास पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है और ग्राम रथ अभियान इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने सरकार

द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए ग्रामीणों को उनका अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। रात्रि चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं से जलदाय मंत्री को अवगत कराया। भीषण गर्मी के मद्देनजर पीएचडी मंत्री ने जनसुनवाई के दौरान जलदाय विभाग के अधिकारियों को जलापूर्ति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने अवैध जल कनेक्शनों पर विशेष निगरानी रखने के लिए संबंधित विभागीय

अधिकारियों को निर्देशित किया, ताकि आमजन को निर्बाध एवं सुचारु पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के उत्थान के लिए संवेदनशीलता एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। चौधरी ने कहा हमारी सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि का मजबूत इको-सिस्टम विकसित करने के लिए कार्य कर रही है और ग्राम-2026 का आयोजन उसी दिशा में एक ठोस कदम है। उन्होंने कहा

किसान सम्मान निधि की राशि को 6 हजार से बढ़ाकर 9 हजार रुपये किया गया है। जलदाय मंत्री ने कहा कि कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाते हुए प्रदेश में किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 76 लाख से अधिक किसानों को 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे उनके खातों में हस्तांतरित की गई है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के बीमा क्लेम वितरित किए गए हैं तथा बीमा पॉलिसी सुजित की गई है। उन्होंने कहा राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड ऋण योजना के तहत 1 लाख रुपये तक ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है।



## ग्राम रथ अभियान के तहत शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने खेड़ा में की जनसुनवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित ग्राम रथ अभियान के अंतर्गत मंगलवार को शिक्षा (विद्यालयी/संस्कृत) एवं पंचायती राज मंत्री तथा जिला जोधपुर प्रभारी मंत्री मदन दिलावर ने पंचायत समिति बावड़ी की ग्राम पंचायत खेड़ा में आयोजित कार्यक्रम का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधा एवं आत्मीय संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। विभागीय अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर कई समस्याओं का मौके पर ही समाधान करवाया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आमजन की समस्याओं के समाधान एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है तथा

ग्राम रथ अभियान इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। दिलावर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित रात्रि चौपाल एवं जनसुनवाई आयोजित की जाए, ताकि ग्रामीणों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों को गांवों में जाकर आमजन से संवाद करना चाहिए ताकि प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। ग्रामीणों द्वारा पेयजल संबंधी समस्याएं उठाए जाने पर प्रभारी मंत्री ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों से मौके पर ही वार्ता कर वर्तमान स्थिति की जानकारी ली तथा समस्याओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक घर तक नल से स्वच्छ पेयजल पहुंचाना राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है तथा यह आमजन का अधिकार है।



## राजिगंज राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के एमओयू क्रियान्वयन की समीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में मंगलवार को शासन सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में राजिगंज राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के अंतर्गत हस्ताक्षरित एमओयू के क्रियान्वयन हेतु विभागवार समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मुख्य सचिव ने बैठक में निवेश परियोजनाओं की प्रगति का विस्तृत अवलोकन करते हुए सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि निवेशकों के लंबित प्रकरणों का निराकरण समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवेश का वातावरण सुगम, पारदर्शी एवं निवेशक-अनुकूल बनाए रखने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्य सचिव ने बैठक में निर्देश दिए कि भूमि रूपांतरण, पट्टा आवंटन, लेआउट अनुमोदन एवं एनओसी से संबंधित सभी लंबित प्रकरणों का शीघ्रता से निस्तारित किया जाए। साथ ही निवेशकों के साथ नियमित संवाद बनाए रखा जाए एवं उन्हें उनके प्रकरणों की स्थिति से समय-समय पर अवगत कराया जाए। उन्होंने कहा कि बहु-विभागीय समन्वय की आवश्यकता वाले प्रकरणों में संबंधित विभाग आपसी सहयोग से समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि राजिगंज राजस्थान समिट में हस्ताक्षरित एमओयू प्रदेश के आर्थिक विकास की आधारशिला है। इन परियोजनाओं के धरातल पर साकार होने से राजस्थान में रोजगार के अभावित नए अवसर सृजित होंगे, स्थानीय उद्योगों को गति मिलेगी और प्रदेश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी।



## सुविचार

अच्छे व्यवहार का कोई आर्थिक मूल्य मले ही न हो, पर अच्छा व्यवहार करोड़ों दिलों को खरीदने की शक्ति रखता है।

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

## बांग्लादेशी आगबबूला क्यों?

जब से पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार बनी है, बांग्लादेशी कट्टरपंथियों की नींदें उड़ गई हैं। उन्होंने ढाका में जिस तरह विरोध प्रदर्शन करते हुए भारतीय नेताओं के खिलाफ टिप्पणियां कीं, उससे स्पष्ट होता है कि वहां कट्टरपंथियों की बेचैनी बढ़ गई है। भारत की सीमाओं की सुरक्षा करना केन्द्र सरकार का कर्तव्य है। अगर भारतीय नेता बांग्लादेश के साथ लगती सीमा पर बाड़ लगाने और घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कहते हैं तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। प. बंगाल सरकार बीएसएफ को जमीन सौंपने की दिशा में कदम उठा चुकी है। कानून का पालन करने वाले किसी भी व्यक्ति को इस पर आपत्ति नहीं होनी चाहिए। भारत को अधिकार है कि वह हर उस व्यक्ति को अपनी जमीन पर कदम रखने से रोके, जिसके पास आधिकारिक अनुमति नहीं है। बांग्लादेशी प्रधानमंत्री के विदेश मामलों के सलाहकार एम हुमायूँ कबीर की यह टिप्पणी घुसपैठियों का खुला समर्थन है कि 'बांग्लादेश कंट्रीले तारों से नहीं डरता। जहां हमें बोलने की जरूरत होगी, हम बोलेंगे।' इसमें डरने-डराने की बात कहां से आ गई? बांग्लादेश भी अपनी जमीन पर बाड़ लगाने के लिए स्वतंत्र है। अगर कोई व्यक्ति वहां गैर-कानूनी ढंग से कदम रखता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। इस पर किसी को आपत्ति नहीं है। पड़ोसी देश के वरिष्ठ अधिकारी यह कहकर घुसपैठियों के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं कि सीमा सुरक्षा के मुद्दों पर ज्यादा मानवीय रवैया अपनाना होगा। भारत अब तक 'ज्यादा मानवीय रवैया' ही अपनाता रहा है। इसका नतीजा यह निकला कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के झुंड के झुंड हमारे देश में आकर मौज कर रहे हैं। क्या ज्यादा मानवीय रवैया का यह मतलब है कि किसी भी बांग्लादेशी घुसपैठिए को इस ओर आने की पूरी आजादी दे दी जाए?

बांग्लादेशी सरकार और नागरिकों को समझना चाहिए कि अब भारत और ज्यादा घुसपैठियों का बोझ नहीं उठा सकता। भारत की अपनी जनसंख्या ही बहुत ज्यादा है। भारतीय नागरिकों तक मूलभूत सुविधाएं बड़ी मुश्किल से पहुंच रही हैं। ऐसे में बांग्लादेशियों का बोझ उठाना संभव नहीं है। इसलिए जो लोग बांग्लादेश की ओर से घुसपैठ करते हैं, उन्हें खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही, जो बांग्लादेशी गलत तरीके से पहले यहां आकर बस चुके हैं, उन्हें वापस स्वदेश भेज देना चाहिए। बांग्लादेशियों के लिए रोटी, रोजगार और आवास का प्रबंध करना भारत सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। उन्हें बांग्लादेशी सरकार से इनकी मांग करनी चाहिए। इस पड़ोसी देश में जो लोग पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत से आगबबूला हो रहे हैं, उन्हें अपने घर के हालात पर ध्यान देना चाहिए। बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था रसातल में चली गई है। कई इलाकों में ईंधन की भारी किल्लत हो गई है। उसे भारत को धन्यवाद कहना चाहिए कि मुश्किल समय में मदद का हाथ बढ़ाया, अन्यथा बांग्लादेश में औद्योगिक गतिविधियां पूरी तरह ठप पड़ जातीं। अगर बांग्लादेशी सरकार यह चाहती है कि घुसपैठियों और तस्करों की निर्बाध आवाजाही रहे, तो अब ये गतिविधियां नहीं चलेंगी। हाल में बीएसएफ ने दो बांग्लादेशी तस्करों को ढेर किया था। ऐसी कार्रवाई जरूरी है। घुसपैठ और तस्करों जैसे काम स्थानीय मददगारों के बगैर नहीं हो सकते। सरहदी इलाकों में ऐसे लोगों का मजबूत नेटवर्क होता है। पुलिस, बीएसएफ और खुफिया एजेंसियों को मिलकर इस नेटवर्क को तोड़ना होगा। जो लोग इसमें लिप्त पाए जाएं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी होगी। जब सरहद पार यह बात समझ में आ जाएगी कि 'घुसपैठ करना बहुत महंगा पड़ सकता है' और 'तस्करों करने पर जान गंवानी पड़ सकती है', तो ये गतिविधियां धीरे-धीरे बंद हो जाएंगी।

## ट्वीटर टॉक

पेपर माफिया ने पूरे देश में शिक्षा और परीक्षा दोनों पर कब्जा कर लिया है। एक ऐसे देश में शिक्षा और परीक्षाएं जो पेपर माफिया का शिकार हो रही हैं, जिससे लाखों बच्चों का भविष्य अधर में लटक रहा है। नीट पेपर लीक के बाद, इस पेपर को कैप्सिल करके नए सिरे से क्यों नहीं कराया जा रहा है?

-रघुवीरसिंह सुरजेवाला

वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन को अगले नेवल स्टाफ चीफ के तौर पर अपॉइंट होने पर बहुत-बहुत बधाई। बंगलूरु के एक गर्वित बेटे और सैनिक स्कूल बीजापुर के एल्गुन्नास, उन्होंने इस प्रतिष्ठित पद पर पहुंचने वाले स्कूल के पहले कैडेट के रूप में इतिहास रच दिया है।

-सिद्धामय्या

आज गुवाहाटी में हुए असम सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान, मुझे इग्नो परिवार के टॉप लीडरशिप और सीनियर नेताओं से गर्मजोशी से मिलने का मौका मिला। देशहित से जुड़े कई जरूरी टॉपिक पर प्रेरणा देने वाला गाइडेंस मिला।

-दिया कुमारी

## प्रेरक प्रसंग

## आत्मविश्वास में सफलता

एक युवक ने स्वामी विवेकानंद से शिकायत की कि वह जीवन में बार-बार उड़ और संकोच का अनुभव करता है, इसलिए किसी बड़े कार्य की शुरुआत ही नहीं कर पाता। विवेकानंद उसे नदी किनारे ले गए, जहां कुछ लोग नाव में बैठने से डर रहे थे क्योंकि पानी का बहाव तेज था। तभी एक बुद्ध मन्नाह शांतिपूर्वक नाव लेकर नदी पार कर गया। विवेकानंद ने युवक से पूछा, 'उसमें और इन लोगों में क्या अंतर है?' युवक बोला, 'उसे अपने कौशल पर विश्वास है।' तब विवेकानंद ने कहा, 'मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति आत्मविश्वास है; भय तब तक बड़ा लगता है जब तक हम उसका सामना नहीं करते।' उन्होंने समझाया कि साहस का अर्थ भय का अभाव नहीं, बल्कि भय के बावजूद आगे बढ़ने की क्षमता है। यदि व्यक्ति अपनी शक्ति पर विश्वास करना सीख ले, तो कठिनाइयां भी छोटी लगने लगती हैं।

## महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor: Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. Regn No. RNI No.: TNHM / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वॉकल, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी यह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उद्योगों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकाना को पाठक किसी भी रूप में उत्तरवाई नहीं बना सकता। - दक्षिण भारत राष्ट्रमत

## सामयिक

## ऊर्जा संकट में सरकार बनी ढाल

कुमुकुम शर्मा

ध वैश्विक युद्ध और होमजु संकट का असर आज पूरी दुनिया महसूस कर रही है। युद्ध की लपटें केवल सीमाओं तक सीमित नहीं हैं। उनका असर हर घर की रसोई, हर वाहन के पहिए और हर परिवार के बजट तक पहुंच चुका है। कई देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें इतिहास के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं, पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगीं, महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी और सरकारें अपने नागरिकों के गुस्से का सामना करने को मजबूर हो गईं।

इसी उथल-पुथल के बीच आज युद्ध के लगभग 11 सप्ताह बीतने पर भी भारत में जीवन की सामान्य गति बनी रही, करोड़ों परिवारों के चूल्हे जलते रहे, गाड़ियां चलती रहीं। यह अपने आप नहीं हुआ। इसके पीछे एक ऐसी नीति, ऐसी तैयारी और ऐसी संवेदनशील सोच थी, जिसने वैश्विक तूफान के सामने भारत के नागरिकों को ढाल बनकर संरक्षण दिया। जब दुनिया ऊर्जा संकट की आग में झूलस रही थी, तब मोदी सरकार एक संरक्षक की तरह अपने नागरिकों के साथ खड़ी रही जैसे झारखंड में भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों को बचाया था, वैसे ही इस कठिन समय में सरकार ने बढ़ती वैश्विक कीमतों और आर्थिक दबाव का बड़ा हिस्सा स्वयं अपने ऊपर उठाया, ताकि उसका बोझ सीधे जनता की थाली, रसोई और जेब तक न पहुंचे।

यही कारण है कि आज यह संकट केवल आर्थिक प्रबंधन की कहानी नहीं, बल्कि संवेदनशील शासन, दूरदर्शी नेतृत्व और नागरिकों के प्रति उत्तरदायित्व की मिसाल बन चुका है। दुनियाभर में बढ़ती कीमतों का बोझ सीधे जनता पर डाल देना सबसे आसान रास्ता था और कई देशों ने ऐसा ही किया, लेकिन भारत ने यह रास्ता नहीं चुना। मोदी सरकार ने स्वयं भारी आर्थिक दबाव सहा ताकि आम आदमी की रसोई और रोजमर्रा की जिंदगी पर कम से कम असर पड़े। सरकार ने लगभग पेट्रोल पर 24 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल पर 30 रुपये प्रति लीटर का भार वहन किया। 28 फरवरी के बाद से वैश्विक स्तर



युद्ध अब भी जारी है। आने वाले समय में कठिन फैसले लेने पड़ सकते हैं, लेकिन देश को यह नहीं मूलना चाहिए कि जब पूरी दुनिया दबाव में थी, तब भारत सरकार ने अपने नागरिकों को अकेला नहीं छोड़ा। उसने एक अभिभावक की तरह जिम्मेदारी निभाई। सरकारें केवल योजनाओं और घोषणाओं से बड़ी नहीं बनतीं, बल्कि कठिन समय में अपने लोगों के साथ खड़े होने से बड़ी बनतीं हैं।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में जबबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई। यूरोप और एशिया के कई देशों में पेट्रोल 30 से लेकर 35 प्रतिशत तक महंगा हुआ, जबकि भारत में कोई बदलाव नहीं किया गया। हांगकांग में आज पेट्रोल सबसे महंगा है। वहां एक लीटर की कीमत लगभग 295 रुपये पहुंच गई है, जो 28 फरवरी के बाद 25 प्रतिशत बढ़ी है। सिंगापुर में दाम 30 प्रतिशत बढ़कर करीब 240 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं। नीदरलैंड में पेट्रोल 225 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है, जो 28 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। युद्धरत इजराइल में पेट्रोल 30 प्रतिशत महंगा होकर 185 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। वहीं भारत में अब भी पेट्रोल की कीमत 95 रुपये प्रति लीटर है। प्रतिदिन लगभग 1,000 करोड़ का घाटा उठाना कोई साधारण बात नहीं है। अब तक

लगभग 68,000 करोड़ का बोझ सरकार और तेल कंपनियों ने अपने ऊपर लिया है। यह आंकड़ा उस संवेदनशील सोच का प्रमाण है, जिसमें मोदी सरकार ने पहले नागरिकों की चिंता की और बाद में अपने खजाने की। सोचिए, यदि यही संकट बिना तैयारी के आया होता तो क्या स्थिति होती? रसोई गैस महंगी होती, परिवहन लागत बढ़ती, महंगाई हर घर तक पहुंचती और मध्यम वर्ग से लेकर गरीब तक का बजट खामता जाता।

साल 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आते ही स्थितियां बदलनी शुरू हुई थीं। पिछले वर्षों में ऊर्जा सुरक्षा को लेकर जो दूरदर्शी तैयारी की गई, वही आज देश की ढाल बनकर खड़ी है। तेल भंडार तैयार किए गए, एथनॉल ब्लेंडिंग बढ़ाई गई, वैकल्पिक ईंधन नेटवर्क विकसित हुआ और रिकार्डिंग क्षमता का विस्तार शुरू हुआ।

## नजरिया



घुसपैठियों की समस्या से तटस्थ पश्चिम बंगाल में सरकार बदलने के बाद विदेशी घुसपैठियों के चेहरे उतरने लगे हैं, क्योंकि अब इन विदेशी घुसपैठियों को सहन नहीं किया जाएगा। अब उनको बाहर जाना ही होगा। भाजपा की सरकार ही इनको बाहर निकलेगी। देश के गृह मंत्री अमित शाह इसकी चेतावनी पहले से ही देते रहे हैं। यहां यह कहना भी उचित होगा कि भाजपा ने केवल घुसपैठियों को बाहर निकालने की ही बात की है, भारत के मुसलमानों की नहीं, लेकिन विपक्ष और खासकर तृणमूल कांग्रेस ने ऐसा भ्रम फैलाने का प्रयास किया कि सारे मुस्लिमों पर इसका प्रभाव होगा।

## अब घुसपैठ से मुक्त होगा बंगाल

सुरेश हिंदुस्तानी

नोवाइडल : 9425101815

पश्चिम बंगाल में अब भारतीय जनता पार्टी की सरकार के तौर पर शुभेच्छु अधिकारी ने शासन की बागडोर संभाल ली है। भाजपा का यह स्पष्ट नारा रहा है कि वह विदेशी घुसपैठियों को देश से बाहर करेगी। इसलिए पश्चिम बंगाल के जनादेश में इस पर अब जनता की मुहर भी लग गई है। कई राजनीतिक विश्लेषकों का यह भी मानना है कि तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी ने मुस्लिम तुष्टिकरण को बढ़ावा देकर अपने शासन का संचालन किया। इसमें बांग्लादेश के घुसपैठियों का भी समर्थन भी शामिल रहा। अब भाजपा की सरकार बनने के बाद यह तय हो चुका है कि अब पश्चिम बंगाल की बांग्लादेश से लगी हुई सीमाएं पहले से ज्यादा सुरक्षित होंगी और एक बड़ी समस्या से छुटकारा भी मिलेगा। इससे यह भी आशय निकलता है कि सबका साथ और सबका विकास वाली राजनीतिक अवधारणा को रचीकर किया जाने लगा है। देश में इसी प्रकार की राजनीति की आवश्यकता है। क्योंकि राजनीतिक दलों ने आज देश में रहने वाले समाज के बीच इतना भेद पैदा कर दिया है कि कई जगह समाज बंधू एक दूसरे के दुश्मन बन गए हैं। हिन्दू और मुसलमान समाज की ही हिस्से हैं, इसलिए इनको अलग अलग देखने की राजनीति नहीं होना चाहिए। इसके विपरीत देश के कुछ राजनीतिक दलों का आधार ही मुस्लिम वोट है। जबकि यह

भी सही है कि तुष्टिकरण से किसी का भला न तो हुआ है और न ही होगा।

लम्बे समय से पश्चिम बंगाल में जनसंख्या का अप्रत्याशित रूप से बढ़ना कई प्रकार के सवाल खड़ा करता रहा है। इसके पीछे बांग्लादेश से आए घुसपैठिए भी एक बड़ा कारण है। इस समस्या से अंगली ही नहीं, असम भी प्रभावित है, लेकिन बंगाली बात यह है कि विपक्षी राजनीतिक दलों को यह समस्या दिखाई नहीं देती। असम और पश्चिम बंगाल की जनता इस घुसपैठ के विरोध में खड़ी हो गई है, इसलिए इस बार का जनादेश भी बांग्लादेशी घुसपैठियों के विरोध में आया। इसी के चलते असम में भाजपा सरकार का पुनः बनना और पश्चिम बंगाल में एक नए राजनीतिक उदय के साथ सत्तारूढ़ होना इसी बात का परिचायक है कि भाजपा ही नहीं, जनता भी देश से घुसपैठियों को निकालने का मन बना चुकी है। सुनने में यह भी आ रहा है जो बांग्लादेशी नागरिक पश्चिम बंगाल में घुसपैठ करके आए, वे अपने देश वापस जाने का मानस बना चुके हैं। इसलिए यह भी कहा जा रहा है कि अब पश्चिम बंगाल घुसपैठ की समस्या से मुक्त हो जाएगा।

भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल में प्रारंभ से ही इस बात पर जोर दिया था कि वह विदेशी घुसपैठियों के खिलाफ है। भाजपा के नेताओं के भाषण भी इसी पर केंद्रित रहते थे। इस मुद्दे पर भाजपा को जनता का भी समर्थन मिला और जनता ने भाजपा को बहुमत दे दिया। इसके अलावा ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस की सरकार ने जो कार्य किए, वह कहीं न कहीं

हिन्दू समाज को नीचा दिखाने वाले ही थे, लेकिन तृणमूल कांग्रेस के नेता शायद इस बात को भूल गए कि बहुसंख्यक समाज को नकारने की राजनीति एक प्रकार से उसके लिए सत्ता से अलग होने की तरकीब पेश कर सकती है।

पश्चिम बंगाल घुसपैठ की समस्या से बहुत प्रभावित हुए हैं। यहां पर अप्रत्याशित रूप से जमीनों पर अवैध कब्जे हो रहे हैं। कई जगह अचानक ही मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र बनते जा रहे हैं। जिनमें मुर्शिदाबाद, उत्तर दिनाजपुर और मालदा आदि हैं। यह तीनों जिले बांग्लादेश की सीमा से लगे हुए हैं। इसके चलते बंगाल में अपराध भी बहुत होने लगे हैं। इसका कारण यही माना जा रहा है कि जो व्यक्ति घुसपैठ करके आए हैं, उनके सामने रोजगार का संकट है। जब रोजगार नहीं मिलेगा तो स्वाभाविक रूप से व्यक्ति गलत कार्य भी करने लगता है। इससे की दशा और दिशा भी खराब हो रही है।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के रास्ते कई बांग्लादेशी नागरिक घुसपैठ करते रहे हैं। स्थानीय नागरिकों की मदद से वे सभी अपने आशियाने भी बना रहे थे, इनके ज्यादातर आशियाने अवैध कब्जा करके ही बने हैं। तृणमूल कांग्रेस की सरकार के समय इनको पर्याप्त संरक्षण भी मिला। उल्लेखनीय है जिन क्षेत्रों में मुस्लिमों की जनसंख्या अचानक बढ़ी है, वे सभी तृणमूल कांग्रेस के प्रभाव वाले क्षेत्र रहे हैं। इन क्षेत्रों में हिन्दू समाज का कोई भी व्यक्ति जाने से डरता है। सवाल यह है कि यह डर किसने पैदा किया और इसको संरक्षण देने वाले कौन हैं। तृणमूल कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राह

पर चलते हुए इनको ताकत देने का काम किया। और यही उसकी इनाम का कारण भी बना।

अब पश्चिम बंगाल का राजनीतिक दृश्य परिवर्तित हो चुका है। जिन्होंने लम्बे समय तक अमानुषिक अत्याचार सहन किए, वे सत्ता में आ चुके हैं, लेकिन भाजपा को यह सत्ता ऐसे ही नहीं मिलेगी। उसके सैकड़ों कार्यकर्ता का बलिदान इन्हीं के नीचे पत्थर बने। चुनाव के बाद शुभेच्छु अधिकारी के निजी सहायक देवनाथ की हत्या इसका ताजा उदाहरण है। जिसके बारे में कहा जा रहा है कि यह कार्य प्रशिक्षित अपराधियों ने किया। संभावना इस बात की भी है कि घटना के बाद ये बांग्लादेश भाग चुके हैं। इसे राजनीतिक हत्या के तौर पर भी देखा जा रहा है और इसके आरोप तृणमूल कांग्रेस के नेताओं पर लग रहे हैं।

घुसपैठियों की समस्या से तटस्थ पश्चिम बंगाल में सरकार बदलने के बाद विदेशी घुसपैठियों के चेहरे उतरने लगे हैं, क्योंकि अब इन विदेशी घुसपैठियों को सहन नहीं किया जाएगा। अब उनको बाहर जाना ही होगा। भाजपा की सरकार ही इनको बाहर निकलेगी। देश के गृह मंत्री अमित शाह इसकी चेतावनी पहले से ही देते रहे हैं। यहां यह कहना भी उचित होगा कि भाजपा ने केवल घुसपैठियों को बाहर निकालने की ही बात की है, भारत के मुसलमानों की नहीं, लेकिन विपक्ष और खासकर तृणमूल कांग्रेस ने ऐसा भ्रम फैलाने का प्रयास किया कि सारे मुस्लिमों पर इसका प्रभाव होगा। विदेशी घुसपैठियों को बाहर निकालना सभी चाहते हैं, विपक्ष को इस मुद्दे पर भाजपा का साथ देना चाहिए, क्योंकि यह राष्ट्रीय हित की बात है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पाकिस्तान ने हवाई अड्डे पर ईरानी विमानों को जगह दिए जाने की खबर को भ्रामक बताया

इस्लामाबाद/भाषा

पाकिस्तान ने अमेरिकी मीडिया की उस खबर को भ्रामक बताया है। मंगलवार को खारिज कर दिया जिसमें दावा किया गया था कि इस्लामाबाद ने ईरानी सैन्य विमानों को अमेरिकी हवाई हमलों से बचाने के लिए अपने हवाई अड्डों में जगह दी थी। विदेश कार्यालय ने एक बयान में कहा कि देश में वर्तमान में मौजूद ईरानी विमान युद्धविराम अवधि के दौरान उस समय आया था जब अमेरिका-ईरान शांति वार्ता का पहला दौर जारी था और उनका किसी भी सैन्य आपात स्थिति या

किसी सुरक्षा-संबंधी व्यवस्था से कोई संबंध नहीं है। 'सीबीएस न्यूज' ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से एक खबर में कहा कि अमेरिका-ईरान युद्ध को समाप्त कराने में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे पाकिस्तान ने ईरानी सैन्य विमानों को अमेरिकी हवाई हमलों से बचाने के लिए अपने हवाई अड्डों में जगह दी थी। 'सीबीएस न्यूज' ने खबर में दावा किया कि अप्रैल की शुरुआत में अमेरिका के राष्ट्रपति जोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के साथ युद्धविराम की घोषणा के कुछ दिनों बाद तेहरान ने कई विमान रावलपिंडी के निकट स्थित नूर

खान एयरबेस पर भेज दिए थे। खबर में दावा किया गया है, इनमें ईरानी वायु सेना का आरसी-130 भी शामिल था, जो लॉकहीड सी-130 हरक्यूलिस सामरिक परिवहन विमान का एक टोही और खुफिया जानकारी जुटाने वाला संस्करण है। अपने बयान में विदेश कार्यालय ने 'सीबीएस न्यूज' की खबर को भ्रामक और सनसनीखेज बताया है। स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया। इसमें कहा गया है, इस तरह की बातें क्षेत्रीय स्थिरता और शांति के लिए जारी प्रयासों को कमजोर करने के उद्देश्य से कही जा रही हैं।

बयान में कहा गया है, युद्धविराम के बाद और इस्लामाबाद वार्ता के पहले दौर के दौरान, वार्ता प्रक्रिया से जुड़े राजनयिक कर्मियों, सुरक्षा टीमों और प्रशासनिक कर्मचारियों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए ईरान और अमेरिका से कई विमान पाकिस्तान पहुंचे थे। इसमें कहा गया है, पाकिस्तान ने तनाव कम करने के लिए लगातार एक निष्पक्ष, रचनात्मक और जिम्मेदार मध्यस्थ के रूप में कार्य किया है। इस भूमिका के अनुरूप, पाकिस्तान ने आवश्यकतानुसार नियमित रसद एवं प्रशासनिक सहायता प्रदान की

है, साथ ही सभी संबंधित पक्षों के साथ पूर्ण पारदर्शिता और नियमित संचार बनाए रखा है। बयान में कहा गया है, पाकिस्तान संवाद को बढ़ावा देने, तनाव कम करने और क्षेत्रीय एवं वैश्विक शांति, स्थिरता एवं सुरक्षा को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से किए जा रहे सभी प्रयासों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए रिपब्लिकन पार्टी के सांसद लिंडसे ग्राहम ने अमेरिका-ईरान युद्ध को समाप्त कराने के लिए मध्यस्थ के रूप में पाकिस्तान की भूमिका पर फिर से विचार करने की जरूरत पर जोर दिया।

कार्यभार



पश्चिम बंगाल की मंत्री अभिभिन्ना पॉल मंगलवार को कोलकाता के विकास भवन में महिला एवं बाल विकास, सामाजिक कल्याण और नगर निगम मामलों के विभागों का कार्यभार संभालते समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर वाली डायरी पकड़े हुए।

'डीडीएलजे' के मशहूर दृश्य की शूटिंग वाले रेलवे स्टेशन को पर्यटन स्थल बनाने का अनुपम खेर का अनुरोध

नयी दिल्ली/भाषा

अभिनेता अनुपम खेर उस रेलवे स्टेशन पर पहुंचकर पुरानी यादें ताजा कीं जहां फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जायेंगे' के 'मशहूर' दृश्य की शूटिंग हुई थी। खेर ने सरकार से उस जगह को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की अपील की। फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जायेंगे' 1995 में रिलीज हुई थी और इसका निर्देशन आदित्य चोपड़ा ने किया था। फिल्म में काजोल और शाहरुख खान ने क्रमशः सिमरन और राज की भूमिका निभाई थी, जो यूरोप यात्रा के दौरान मिलते हैं और दोनों के बीच प्यार हो जाता है। हालांकि, राज को जब पता चलता है कि सिमरन की शादी कहीं और तय हो चुकी है, तो वह उसे और उसके पिता को मनाने के लिए भारत पहुंचता है। 'दिलवाले दुल्हनिया ले

जायेंगे' हिंदी सिनेमा की सबसे यादगार फिल्मों में शामिल है। इसकी कहानी, कलाकारों के अभिनय और गीतों को काफी सराहना मिली और यह फिल्म रिलीज के दशकों बाद भी दर्शकों के बीच लोकप्रिय है। फिल्म का ट्रेन वाला दृश्य, जिसमें राज अपना हाथ बढाता है और सिमरन भागते हुए ट्रेन की ओर आती है, वर्षों से दर्शकों की स्मृतियों में बसा हुआ है। इस दृश्य को बाद में कई फिल्मों में दोहराया भी गया। खेर ने फिल्म में शाहरुख खान के पिता धर्मवीर की भूमिका निभाई थी। उन्होंने सोमवार को अपने 'इंस्टाग्राम अकाउंट' पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह अट्टा रेलवे स्टेशन पर दिखे। अभिनेता ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि दुनिया भर का हर भारतीय फिल्म के उस ट्रेन वाले दृश्य को जानता है और याद करता है। वह वीडियो में कहते सुनाई देते हैं, मैं एक रेलवे स्टेशन पर आया हूँ। यहां एक प्रतिष्ठित फिल्म का प्रतिष्ठित दृश्य शूट किया गया था। यह भारतीय सिनेमा के इतिहास का हिस्सा है, जिसे दुनिया भर के हर भारतीय ने देखा और याद रखा होगा। यह दृश्य 'दिलवाले दुल्हनिया ले जायेंगे' का है। यह वैसा ही है जैसे 'द गॉडफादर' के किसी दृश्य के लिए रिसिटि की जाना। ये सभी जगह प्रतिष्ठित हैं। मुझे इस प्रतिष्ठित फिल्म का हिस्सा बनाने के लिए यश जी (यश चोपड़ा) और आदि (आदित्य चोपड़ा) का आभारी हूँ। अभिनेता ने कैप्शन में लिखा कि शूटिंग के दौरान कलाकारों को इस बात का अंदाजा नहीं था कि वे हिंदी सिनेमा के इतिहास में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने वाले हैं। उन्होंने सरकार से इस स्थान को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की अपील भी की।

'इंस्पेक्टर अविनाश' में विजुअल परफेक्शन से ज्यादा भावनात्मक ईमानदारी जरूरी : उर्वशी रौतेला

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला एक बार फिर वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' के नए सीजन में पूनम मिश्रा के किरदार में नजर आने वाली हैं। इस बीच उर्वशी ने अपने किरदार और एक्टिंग को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि उनकी पब्लिक इमेज हमेशा ग्लैमर से जुड़ी रही है, लेकिन 'इंस्पेक्टर अविनाश' जैसे प्रोजेक्ट्स में दिखावे से ज्यादा सच्ची भावनाओं की जरूरत होती है। उर्वशी ने आईएनएस से बताया कि एक कलाकार के तौर पर आगे बढ़ने के लिए 'परफॉर्मिंग वैनिटी' यानी



परफेक्ट दिखने की सोच को छोड़ना बहुत जरूरी होता है। उन्होंने कहा, लोग अक्सर मुझसे हर फ्रेम, हर एक्सप्रेशन और हर पल

में परफेक्शन की उम्मीद करते हैं, क्योंकि मेरी छवि ग्लैमरस रही है। लेकिन 'इंस्पेक्टर अविनाश' जैसे प्रोजेक्ट विजुअल परफेक्शन से ज्यादा भावनात्मक ईमानदारी मांगती हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि इस किरदार के लिए उन्होंने खुद को ज्यादा 'प्रेजेंट' रखने पर ध्यान दिया उर्वशी ने कहा, असल जिंदगी में मुश्किल हालात से गुजर रहे लोग यह नहीं सोचते कि वे कैसे दिख रहे हैं। वे सिर्फ प्रतिक्रिया दे रहे होते हैं, हालात से जुझ रहे होते हैं और भावनाओं को महसूस कर रहे होते हैं। एक अभिनेता के तौर पर इस सच्चाई को समझना मेरे लिए बेहद जरूरी था।

पश्चिम एशिया संघर्ष न सुलझा तो ऊर्जा संकट बढ़ेगा: फारुक अब्दुल्ला

श्रीनगर/भाषा

नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेका) के अध्यक्ष फारुक अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि अगर पश्चिम एशिया का संघर्ष जल्द नहीं सुलझा तो देश ऊर्जा संकट की ओर बढ़ता जायेगा।

अब्दुल्ला ने यहां पत्रकारों से कहा, "संकट हमारे करीब आ रहा है। ईंधन संकट, गैस संकट। हम विनाश की ओर बढ़ रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार ईंधन बचाने के लिए रकूलों को ऑनलाइन तरीके में ले जाने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा, लेकिन सभी विद्यार्थियों के पास ऑनलाइन सुविधा नहीं है। हमें सोचना पड़ेगा और इस संबंध में कुछ करना होगा क्योंकि शिक्षा बहुत जरूरी है। एक सवाल के जवाब में अब्दुल्ला ने कहा कि अर्थव्यवस्था गंभीर स्थिति में है। उन्होंने कहा, हां, अर्थव्यवस्था निश्चित रूप से गंभीर संकट में है। अगर यह ईरान-अमेरिका संघर्ष जल्द खत्म नहीं हुआ तो भगवान ही मालिक को। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को ईंधन की बचत और आयात में कमी करने का आह्वान किया था क्योंकि वैश्विक ऊर्जा



कीमतों में बढ़ोतरी से भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव पड़ रहा है। प्रधानमंत्री ने सोने की खरीद में भी संयम बरतने का आग्रह किया था। शराब पर प्रतिबंध लगाने की पीडीपी की मांग पर अब्दुल्ला ने कहा कि वह महज आलोचना के लिए सरकार की आलोचना कर रही है, क्योंकि उसके पास उठाने के लिए कोई ठोस मुद्दा नहीं है। उन्होंने पीडीपी का नाम लिए बगैर सवाल किया कि जब शराब की दुकानें खोली जा रही थी, तब वे क्यों चुप थे। उन्होंने कहा कि अगर केंद्र सरकार जम्-कर्मियों को शराब पर प्रतिबंध से होने वाली राजस्व हानि के लिए कोई राहट देती है तो राज्य सरकार मद्यनिषेध लागू करने में एक क्षण भी नहीं गंवाएगी।

सुकेश से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी ने जैकलीन फर्नांडिस के सरकारी गवाह बनने का किया विरोध

नई दिल्ली/एजेन्सी

महाठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस को बड़ा झटका लगा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनकी सरकारी गवाह (अप्रूवर) बनने की अर्जी का कड़ा विरोध किया है। दूसरी ओर, पटियाला हाउस कोर्ट ने जैकलीन फर्नांडिस के वकील को ईडी के जवाब पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया है। अगली सुनवाई 12 मई को होगी। ईडी ने कोर्ट को बताया कि अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस ने जांच के दौरान सहयोग नहीं किया था और उनका आवरण संतोषजनक नहीं रहा था। उन्होंने पीएमएलए की धारा 50 के तहत दर्ज अपने बयानों में पूर्ण और सही



खुलासा करने में लगातार विफलता दिखाई। ईडी ने कहा कि जैकलीन फर्नांडिस ने सुकेश चंद्रशेखर के आपराधिक इतिहास की जानकारी होने के बाद भी उनके साथ नियमित और लगातार संपर्क बनाए रखा, जिसने मनी लॉन्ड्रिंग से होने वाली अपराध की आय में से जैकलीन को गिफ्ट और अन्य सामान दिलाए। सुकेश चंद्रशेखर

पर 200 करोड़ रुपए की ठगी और मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आरोप हैं। इस हाई-प्रोफाइल केस में जैकलीन फर्नांडिस का नाम तब सामने आया था, जब जांच एजेंसी ने दावा किया कि सुकेश ने ठगी के पैसों से जैकलीन को कई महंगे गिफ्ट्स दिए थे। इसी आधार पर ईडी ने उन्हें इस मामले में आरोपी बनाया था। जैकलीन ने हाल ही में कोर्ट में अर्जी दाखिल कर यह इच्छा जताई थी कि वह इस मामले में सरकारी गवाह बनना चाहती हैं और जांच एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग करने के लिए तैयार हैं, लेकिन ईडी ने उनके इस कदम पर सवाल उठाते हुए कहा है कि फिलहाल उनकी अर्जी को स्वीकार करने का कोई ठोस आधार नहीं दिखता।



उल्टे होकर शिल्पा शेटी ने बताए योग के फायदे

जयपुर/एजेन्सी

अभिनेत्री शिल्पा शेटी बॉलीवुड की उन डीवास में शुमार हैं, जो अपनी सेहत को लेकर काफी जागरूक रहती हैं। उन्होंने सोमवार को योग करने के साथ-साथ महिलाओं को आवश्यक जानकारी दी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपने वर्कआउट सेशन का एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में शिल्पा उल्टा योगा पोज करती हुई दिखाई दे रही हैं। अभिनेत्री बहुत ही बारीकी और कंट्रोल के साथ यह पोज करती नजर आ रही हैं। इस वीडियो के जरिए उन्होंने बताया कि महिलाओं को अपने पीरियड्स के दौरान कुछ खास एक्सरसाइज और उल्टे पोज करने से बचना चाहिए। शिल्पा ने वीडियो शेयर कर लिखा, हर योग मुद्रा आपको शरीर और मन दोनों में मजबूत और लचीला बनाता है। उन्होंने पोज के फायदे बताते हुए लिखा, इसके नियमित अभ्यास से दिमाग में रक्त संचार बेहतर होता है। थयराइड और पैराथायराइड ग्रंथियां सक्रिय होती हैं। साथ ही, तनाव और चिंता कम करने में मदद

मिलती है। पाचन बेहतर होता है और चेहरे पर प्राकृतिक चमक आती है। गर्दन, कंधे और पेट की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। अभिनेत्री ने पोस्ट के अंत में योगासन के फायदे बताने के बाद इससे जुड़ी सावधानियों पर बताई। उन्होंने लिखा, अगर आपको हाई ब्लड प्रेशर, दिल की बीमारी, ग्लूकोमा, गर्दन दर्द या स्ट्रोक ड्रिस्क की समस्या है, तो यह आसन न करें। महिलाएं मासिक धर्म के दौरान इस आसन से बचें। आयुष मंत्रालय के सामान्य योग प्रोटोकॉल के अनुसार, 'उल्टा योगा पोज' या इनवर्जन के अंतर्गत मुख्य रूप से सर्वांगसन और विपरीतकरणों को शामिल किया जाता है। ये आसन शरीर में रक्त के संचार को सिर की ओर बढ़ाते हैं। शुरुआती योगाभ्यासकर्ताओं को इस आसन को किसी विशेषज्ञ की देखरेख में करना चाहिए। इसे नियमित तौर पर करने से पैरासिमपैथेटिक तंत्रिका तंत्र को सक्रिय कर चिंता कम करता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है। साथ ही, शरीर में रक्तसंचार और ताजगी लाता है।

प्रदर्शन



नई दिल्ली में स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के सदस्य और समर्थक मंगलवार को नई दिल्ली में कथित नीट-यूजी पेपर लीक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए।

'ग्लोरी' के लिए पुलकित सम्राट क्यों थे परफेक्ट चॉइस?

मुंबई/एजेन्सी

'ग्लोरी' सीरीज में जहां पुलकित सम्राट के अभिनय से दर्शक प्रभावित हैं, वहीं उससे ज्यादा प्रभावित पुलकित को 'ग्लोरी' में निर्देशित करनेवाले फिल्मकार करण अंशुमन हैं। पुलकित के परफॉर्मिंग और समर्पण की जमकर तारीफ कर रहे फिल्मकार करण अंशुमन का कहना है कि पुलकित उन चुनिंदा कलाकारों में से हैं जिन्होंने इस सीरीज की कठिन तैयारी और पूरी प्रक्रिया के लिए खुद को पूरी तरह समर्पित कर दिया। गौरतलब है कि इससे पहले ये जोड़ी 'बैंगलूर' में भी साथ काम कर चुकी है। करण की मां तो यही वजह है कि उन्होंने 'ग्लोरी' के लिए पुलकित को चुना क्योंकि उन्हें पता था कि अभिनेता इस किरदार में भावनात्मक ईमानदारी और पूरी मेहनत दोनों लेकर आएंगे। पुलकित को इस भूमिका के लिए चुनने के बारे में बात करते हुए करण ने कहा, मुझे लगता है कि हमने उन्हें

इसलिए अप्रोच किया था, क्योंकि मुझे ऐसा ईमान चाहिए था जो इस किरदार के लिए अपना सब कुछ दे सके। मुझे यह भी पता था कि उनके लिए यह एक बेहद नया और ताज़गी भरा बदलाव होगा और वह इस किरदार को पूरी तरह अपनाएंगे और पुलकित ने बिल्कुल वैसा ही किया भी। बॉक्सिंग ट्रेनिंग पर बात करते हुए करण ने यह भी कहा कि 'ग्लोरी' सिर्फ बॉक्सिंग और एक्शन ट्रेनिंग के जरिए शारीरिक बदलाव की मांग नहीं करती थी, बल्कि इसमें भावनात्मक गहराई, धैर्य और रचनात्मक प्रक्रिया में पूरी भागीदारी भी जरूरी थी, जो उन्हें पुलकित में स्वाभाविक रूप से दिखाई दी। करण कहते वजह है कि उन्होंने 'ग्लोरी' के लिए पुलकित को चुना क्योंकि उन्हें पता था कि अभिनेता इस किरदार में भावनात्मक ईमानदारी और पूरी मेहनत दोनों लेकर आएंगे। पुलकित को इस भूमिका के लिए चुनने के बारे में बात करते हुए करण ने कहा, मुझे लगता है कि हमने उन्हें



जो 247 इस प्रक्रिया का हिस्सा बने। ऐसे में पुलकित ने रिहर्सल, वर्कशॉप और स्क्रिप्ट रीडिंग में खुद को पूरी तरह डूब दिया और सेट पर जाने से पहले किरदार के हर पहलू को समझने में अनगिनत घंटे लगाए, जो वाकई काबिले तारीफ है। हालांकि ऐसा नहीं था कि हमने एक बार स्क्रिप्ट पढ़ी और आगे

बढ़ गए। हमने उसे बार-बार किया। यह पुलकित की ही ईमानदारी है, जिसने पूरी प्रक्रिया को और बेहतर बना दिया। यही वजह है कि पुलकित के एक्शन सीक्वेंस और फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन की जितनी चर्चा है, उतनी ही चर्चा पुलकित के भावनात्मक और संवेदनशील दृश्यों की भी है, जिसने सबसे गहरा असर छोड़ा है। तैयारी के महत्व पर जोर देते हुए करण ने यह भी कहा कि जिस दबाव वाले माहौल में हम शूटिंग करते हैं, उसमें चीजों को सही करना आसान नहीं होता। आपको पहले से पूरी तरह तैयार रहना पड़ता है, जिससे शूटिंग के बाद संतुष्टि हो कि जो आपने सोचा था, वैसा ही हुआ। वैसे तो सभी ने बेहद ईमानदारी से काम किया, लेकिन विशेष रूप से बॉक्सर के रूप में पुलकित ने जिस अनुशासन और भावनात्मक परिष्कार के साथ काम किया, उससे उनका यह परफॉर्मंस, उनके करियर का सबसे दमदार किरदार बन गया।





शाकद्वीपीय ब्राह्मण युवा स्पोर्ट्स क्लब की बैठक में उपस्थित युवा एवं समाज बंधु।

## शाकद्वीपीय ब्राह्मण युवा क्रिकेट खेल प्रतियोगिता में भिड़ेंगी दस टीम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज चेन्नई के युवा स्पोर्ट्स क्लब द्वारा समाज के युवाओं में स्वास्थ्य जागृति एवं खेल कौशल निखारने के उद्देश्य से पिछले वर्ष की तरह आगामी 17 मई को वर्ष 2026 की बॉक्स क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन 3 का भव्य आयोजन किया जा रहा है। युवा खेल क्लब के अध्यक्ष विनोद भरतानी ने बताया कि पिछले दो

वर्षों के सफल आयोजन के बाद इस वर्ष आगामी रविवार को चेन्नई के ओटेरी स्थित एस. पी. आर. सिटी के खेल मैदान में समाज के बारह वर्ष से ऊपर आयु के युवा भाग लेंगे। कुल दस टीमों के नब्बे खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा दिखायेंगे। इस बार कोयम्बतूर की भी एक टीम भाग लेंगी। अध्यक्ष भरतानी ने बताया कि 10 मई को समाज के साहुकार पेट स्थित सूर्य भवन में यूथ स्पोर्ट्स क्लब की एक बैठक का आयोजन हुआ जिसमें स्पोर्ट्सर्स, टीम लीडर एवं गणमान्य समाज बंधुओं की

उपस्थिति में खिलाड़ियों के टी शर्ट्स, ब्ला, टोपी एवं रिस्ट बेल्ट आदि का वितरण किया गया। अध्यक्ष विनोद भरतानी ने बताया कि यह प्रतियोगिता प्रायोजकों से लेकर खिलाड़ियों, टीम लीडरों, संचालकों, रेफरी और दर्शकों तक केवल सामाजिक भागीदारी से आयोजित की जा रही है। यह आयोजन केवल खेल तक सीमित नहीं बल्कि समाज के युवाओं की संगठन क्षमता, नेतृत्व और सामाजिक सहभागिता की सशक्त उदाहरण बनेगा।



## चेन्नई डिवीजन ने सीसीटीवी से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** दक्षिणी रेलवे के चेन्नई डिवीजन ने प्रमुख यात्री और परिवहन क्षेत्रों में अपने सीसीटीवी निगरानी नेटवर्क का तेजी से विस्तार करके रेलवे सुरक्षा को काफी मजबूत किया है। पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान, 26 रेलवे स्टेशनों पर 923 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिससे वास्तविक समय की निगरानी क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और इन स्थानों पर यात्रियों की सुरक्षा में सुधार हुआ है।

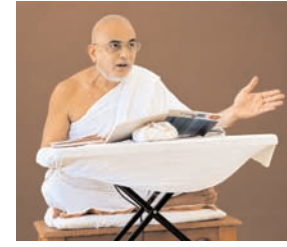
इस प्रमुख विस्तार के अंतर्गत आने वाले स्टेशनों में एन्नोर, अट्टीपट्ट, पुदुनगर, अट्टीपट्ट, नंदियामबक्कम, मिंजूर, पोन्नरी, कवराडिपेट्ट, पेरूर लोको वर्क्स, विलीवाक्कम, कोरतूर, पट्टाबारकम, तिरुमुलाडुवायिल, अन्नानूर, अवाडी, हिंदू कॉलेज, पट्टाबारकम, नेमिलिचेरी, तिरुनिरावुर, सेव्वापेट रोड, पुलतूर, एगातूर शामिल हैं। कदंबतूर, सेनजी पनांबक्कम, वाशरमेनेपेट, रोयापुरम और मनापुर। इसके अलावा, पार्क टाउन, टॉडियारपेट, कोरुकुपेट, काठिवक्कम, व्यासपदी जीवा, पेरूर, पेरूर कैरिज वर्क्स, अंबतूर, वेप्पमपट्ट, मोसूर, पुलियामंगलम, तिरुत्तनी और अंबतूर सहित राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण 13

स्टेशनों पर 495 सीसीटीवी कैमरों की स्थापना वर्तमान में चल रही है, जिससे यात्री और परिचालन दोनों क्षेत्रों में निगरानी को और मजबूत किया जा रहा है।

इस विस्तार के साथ, चेन्नई बीच-बेगलपट्ट उपनगरीय क्षेत्र और एमआरटीएस नेटवर्क में सीसीटीवी कवरेज व्यापक रूप से स्थापित हो गया है। चेन्नई-अरकोनम और चेन्नई-गुम्डिपुंडी क्षेत्रों में, प्रमुख स्टेशनों पर सीसीटीवी लगाने का काम पूरा हो चुका है, जबकि शेष स्थानों पर काम जारी है। इसके अतिरिक्त, बेसिन ब्रिज, पोन्नरी, कवराडिपेट्ट, मिंजूर, पट्टाबारकम, विलीवाक्कम, अंबतूर, अवादी, एन्नोर, एलापुर, गुम्दुपुंडी और अन्य स्थानों सहित 22 महत्वपूर्ण रेलवे पॉइंट्स और क्रॉसिंग पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिससे परिचालन संबंधी बुनियादी ढांचे की निगरानी, झड़संपति की सुरक्षा और यात्रे सुरक्षा प्रबंधन में सुधार हुआ है। इन कैमरों की निगरानी डिवीजन भर में स्थित आरपीएफ कंट्रोल रूम और आरपीएफ स्टेशनों के माध्यम से की जाती है। चेन्नई डिवीजन ने अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी स्टेशनों में चरणबद्ध तरीके से सीसीटीवी कवरेज बढ़ाने की एक दूरदर्शी योजना भी तैयार की है, जिसका उद्देश्य पूरे डिवीजन में व्यापक निगरानी सुनिश्चित करना है।

## धर्म बीमा समान, जीवन और जीवन के बाद भी सहारा : आचार्य कुलबोधिसूरिस्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com



**चेन्नई।** साहुकारपेट स्थित गुजराती जैनवाडी में आचार्यश्री कुलबोधिसूरिस्वरजी म.सा. का मंगलमय पदार्पण हुआ। मंगलवार को आयोजित धर्मसभा में आचार्यश्री ने धर्म के वास्तविक स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मनुष्य के दुःख का मूल कारण जीवन में धर्म की सही प्राप्ति का अभाव है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संसार में एकमात्र उपादेय तत्व धर्म ही है, जो बीमा के समान जीवन के साथ-साथ जीवन के बाद भी साथ निभाता है। आचार्यश्री ने कहा कि हम धर्म में समय, संसति और साधन इसलिए लगाते हैं क्योंकि धर्म में हमारा मन होता है, लेकिन वास्तविक आवश्यकता यह है कि हमारे मन में धर्म बसे। धर्म में मन होना प्रवृत्ति है, जबकि धर्म में धर्म होना परिणति है, इस सूत्र को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि जब मन में समता भाव उत्पन्न हो, मोह कम हो, पूजा में प्रसन्नता आए और प्रवचन सुनते-सुनते स्वभाव में परिवर्तन होने लगे, तभी समझना

चाहिए कि मन में धर्म का उदय हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि केवल बाहरी क्रियाओं से धर्म की सिद्धि नहीं होती; यदि यों की सामायिक के बाद भी समता भाव न आए तो वह साधना निष्फल है। धर्म की प्राप्ति के तीन प्रमुख उपाय बताते हुए आचार्य प्रवर ने भक्ति, मैत्री और मुक्ति को जीवन का आधार बताया। भक्ति के संदर्भ में उन्होंने साधु-संतों के प्रति श्रद्धा रखने पर जोर देते हुए उदाहरण दिया कि जैसे महंगे हीरे के हार का मूल्य अधिक माना जाता है, वैसे ही क्या हम साधुओं को उतना ही मूल्यवान समझते हैं? भगवान महावीर के नयसार भव का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि जंगल में साधु भक्ति ही उन्हें महावीर बनने की दिशा में ले गई। मैत्री भाव पर प्रकाश डालते हुए आचार्यश्री ने

कहा कि सभी जीवों के प्रति स्नेहपूर्ण व्यवहार रखना चाहिए। मैत्री की पराकाष्ठा में केवल स्नेह नहीं, बल्कि हित की भावना उत्पन्न होती है, जहां यह भावना रहती है कि कोई भी प्राणी दुःखी ही नहीं, बल्कि कोई भी पाप न करे। उन्होंने प्रेरित किया कि वाणी की विरासत केवल शब्दों से नहीं, बल्कि मैत्री के भाव से आए।

तीसरे उपाय के रूप में उन्होंने ममत्व और आसक्ति से मुक्ति का संदेश देते हुए कहा कि वस्तु, व्यक्ति या विचारों के प्रति अत्यधिक लगाव ही तृष्णा को जन्म देता है, और तृष्णा ही दुःख का कारण बनती है। प्राप्ति कभी तृप्ति नहीं देती, बल्कि अतृप्ति को जन्म देती है, इस सत्य को बताते हुए उन्होंने कहा कि संसार में जहां संबंध बिगड़ते हैं, वहीं धर्म के मार्ग पर चलकर शत्रुओं के साथ भी संबंध सुधर सकते हैं। अंत में आचार्यश्री ने प्रेरणा दी कि जब तक ममत्व से मुक्ति नहीं मिलती, तब तक सबे अर्थों में धर्म की प्राप्ति संभव नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भक्ति, मैत्री और मुक्ति के इन तीन सूत्रों को अपनाकर ही जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है।



## छात्रवृत्ति हेतु विद्यार्थियों के साक्षात्कार का सफल आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** स्थानीय माय क्लब सोशल वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा अपने सेवा एवं समाज कल्याण के 17वें वर्ष में मोतीलाल फोमरा सनातन धर्म स्कूल में तीन सत्रों से अधिक विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति साक्षात्कार का आयोजन किया गया। संस्था पिछले कई वर्षों से जरूरतमंद एवं मेधावी विद्यार्थियों को पहली कक्षा से लेकर 12वीं कक्षा तक शिक्षा सहायता प्रदान कर रही है। साथ ही 10वीं से 12वीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को

लैपटॉप देकर उनके उच्चल भविष्य को प्रोत्साहित किया जाता है। इस वर्ष संस्था आगामी सात जून को एक हजार से अधिक विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करने जा रही है। संस्था द्वारा छात्रवृत्ति विद्यार्थियों के साक्षात्कार प्रक्रिया के माध्यम से दी जाती है तथा इस संपूर्ण प्रक्रिया पर कई महीनों से अनवरत कार्य किया जा रहा है। इस सेवा कार्य में संस्था के अध्यक्ष ए. पूनमचंद, सचिव अरविंद ददा, उपाध्यक्ष वर्षा ददा, प्रोजेक्ट चेयरमैन प्रेम छाजेड़ एवं दिलीप बैद, कोषाध्यक्ष गौतम लालवानी, तथा सवरय धर्मद, पारस गोलेवा, प्रवीण, कविता, भाविक, ईशिका,

नेहा, जिग्नेश, विनोद, प्रिया एवं उनकी टीम सहित कई अन्य लोगों ने पूरे दिन विद्यार्थियों के साक्षात्कार में सक्रिय भूमिका निभाई। संस्था के प्रमुख दानदाताओं एवं वर्षों से सहयोग देने वालों में जयतीलाल जी बुराड, संतोष जी बुराड, पप्पू सा लुनिया, द बिग शां, महावीर कातरला, शीतल जैन, ललित जैन (प्राइव् होटल) एवं उर्वेश दोशी सहित अन्य अनेक सहयोगी शामिल हैं, जो पिछले 5 से 15 वर्षों से अधिक समय से इस सेवा कार्य में निरंतर योगदान दे रहे हैं। प्रति वर्ष मेधावी विद्यार्थियों को प्रदान किए जाने वाले लैपटॉप का विशेष सहयोग प्रवीण लालवानी द्वारा किया जा रहा है।



## तेयुप विजयनगर ने ओपीजी एक्स-रे मशीन का किया उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**बेंगलूरु।** स्थानीय तेरापथ युवक परिषद विजयनगर द्वारा हमपी नगर स्थित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर में ओपीजी एक्स-रे मशीन का विधिवत लोकार्पण किया गया। अभातेयुप के

राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन मांडोत ने एक्स-रे मशीन पर स्वास्तिक अंकन कर शुभारंभ किया। तेयुप विजयनगर के अध्यक्ष विकास बांडिया ने उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए ओपीजी एक्स-रे मशीन के उद्घाटनकर्ता मार्गदर्शन फाउंडेशन के कमलेश-भरत डंगरवाल के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही

प्रायोजक के रूप में हनुमानल, संजय, मनोज बैद परिवार तथा सहप्रायोजक सुरेश, करण, निखिल मांडोत परिवार व सुशीलादेवी, अरविंद, हिममत, पवन मांडोत परिवार के सहयोग हेतु धन्यवाद दिया। इस अवसर पर सेंटर के डॉक्टरों की टीम के साथ अभातेयुप, तेयुप व अन्य संबंधित संस्थाओं के सदस्य उपस्थित थे।

## सुन्दरकांड दक्षिण भारत राष्ट्रमत



तिरुपुर में माँ दुर्गा भक्त मण्डल के तत्वावधान में 10 मई को 1468 वां सुन्दरकांड पाठ श्री त्रिलोकगुडा इक्षरग कोथिल हुआ। सुन्दरकाण्ड पाठ गणेश वन्दना एवं मन्त्रोच्चारण करके पाठ चालू किया पाठ में बालाजी कि कृपा से काफी संख्या में श्रद्धालु आये।

## तीन चोरों को गिरफ्तार कर पुलिस ने लाखों रुपए मूल्य के आभूषण बरामद किए

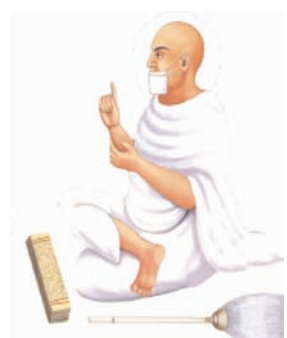
**बेंगलूरु।** यहां केआर पुरम पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से लाखों रुपए चोरी के माल को बरामद किया है। जानकारी के अनुसार पुलिस ने राजस्थान से गोपाल (29), कैलाश (30) और उत्तरप्रदेश से नागेन्द्र साहनी (30) को गिरफ्तार किया है। केआरपुरम में रहने वाले छत्ताराम चौधरी ने अपनी एक शिकायत में बताया कि गत 18 फरवरी को उसके घर से चोरी हो गई थी। चौधरी अपने परिवार के सुबह एक कार्यक्रम के लिए टीसी पायथा गए हुए थे, घर में ताला लगा देखकर चोरों ने घर से साढ़े चार लाख रुपए नकद और 50 लाख रुपए मूल्य के सोना चांदी के आभूषण लेकर फरार हो गए। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए राजस्थान के जालोर क्षेत्र से गोपाल और कैलाश को गिरफ्तार किया वहीं उत्तरप्रदेश से नागेन्द्र साहनी को गिरफ्तार कर सोमवार को बेंगलूरु लाई। वहीं नागेन्द्र साहनी के एक अन्य सहयोगी की पुलिस तलाश कर रही है। पुलिस ने इनके पास से लगभग 40 लाख रुपए मूल्य का 196 ग्राम सोना, 1 किलो से अधिक की चांदी के आइटम को जप्त किया है।



## अरिहंत परमात्मा का जीवन हमें राग और द्वेष से मुक्त होने की प्रेरणा देता है : आचार्यश्री पार्श्वचंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**बेंगलूरु।** 'अरिहंत अर्थात आंतरिक शत्रुओं को जीतने वाला। नवकार मंत्र का प्रथम पद है अरिहंतो को नमस्कार। इसमें किसी व्यक्ति की पूजा नहीं है अपितु गुणों की पूजा है। हम जिन गुणों के प्रति अपने अंतर्मन में अहो भाव रखेंगे, प्रमोद भाव रखेंगे वैसे ही गुण हमारे में प्रकट होंगे।' यह विचार मंगलवार को गणेशशवाम में 15 दिवसीय आत्म आराधना उपधान प्रथम सोपान में आचार्य पार्श्वचंद्रजी ने आराधकों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि संसार में 84 लाख जीव योनियों में जन्म मरण के परिभ्रमण से मुक्ति चाहिए तो आत्मा से द्वेष भाव को दूर करने के साथ ही राग भावों को भी दूर करना पड़ेगा। सांसारिक पदार्थों एवं प्रवृत्तियों में राग अर्थात आसक्ति जीव का संसार में परिभ्रमण को बढ़ाने वाली है। संतश्री पदमचंद्रमुनिजी ने जीवन में ब्रत आराधना का महत्व बताते हुए कहा कि जब तक हम ब्रत धारण करके पाप काया का त्याग करने का संकल्प नहीं लेते हैं तब तक दुनिया भर के पाप हमारे लिए



अमानत संबंधी बात में एवं किसी भी प्रकार की साक्षी में असत्य का प्रयोग नहीं करना चाहिए। सरलता का महत्व बताते हुए उन्होंने कहा कि आत्मा की उन्नति चाहते हैं तो कपट को त्यागना होगा। कपट से आत्मा की अवनति प्रारंभ हो जाती है। जयधुरंदरमुनिजी ने 12 भावनाओं की अनुप्रेक्षा के क्रम में अशरण भावना का वर्णन किया। जयधुरंदरमुनिजी ने भी प्रेरक जीवन के सूत्र बताए। प्रातः काल में समणी निर्देशिका डॉ. सुयशतिथिजी ने आराधकों को अनुपेक्षा ध्यान साधना का प्रशिक्षण दिया। आयोजन के संयोजक राजेंद्रकुमार नाहर ने बताया कि आराधकों ने अनेक धार्मिक क्रियाएं संपन्न कीं। सहसंयोजक कोमलचंद धोका ने बताया कि इस अवसर पर चेन्नई से आई विशेष अतिथि खम्मबाई ज्ञानचंद सुगोत, जयमल जैन श्रावक संघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाशचंद्र बोहरा, बेंगलूरु शाखा के अध्यक्ष मीठालाल लोडा, गणेशबाग शिवाजीनगर के मंत्री संपतराज मांडोत, जयमल संघ के पूर्व अध्यक्ष मीठालाल मकाणा एवं पूर्व मंत्री कनकराज चोरडिया आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। संचालन मनोहरलाल डंगरवाल ने किया।